संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 207
पृष्ठ 8
शुक्रवार
18 अप्रैल 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित | Email : shaharsamta@gmail.com | Website : https://Shaharsamta.com | सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- आम को यूं ही नहीं कहते फलों का राजा... | विचार- क्या हम बहुसंख्यक तानाशाही के दौर... | खेल- आईपीएल में लौटा सुपर ओवर का रोमांच...

पहले यूपी के शहर भी मुर्शिदाबाद की तरह दंगों की आग में जलते थे : सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एक कार्यक्रम के दौरान पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि मुर्शिदाबाद और बांग्लादेश की घटनाओं पर इनकी चुप्पी ने इन्हें चौराहे पर नंगा खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर प्रदेश में भ्रष्टाचार, जातिवाद और माफियावाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने योजनाओं में घोटाले कर लंदन में होटल बनाए, वही लोग प्रदेश को लूटने और जातियों में बांटने के लिए जिम्मेदार हैं। मुर्शिदाबाद की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने विपक्ष की चुप्पी पर तंज कसते हुए कहा कि ये लोग, जिन्होंने

भ्रष्टाचार, जातिवाद, माफियावाद और परिवारवाद से अपना साम्राज्य खड़ा किया, वही लोग अब मुर्शिदाबाद जैसे मामलों पर मौन हैं। बांग्लादेश की घटनाओं पर इनकी चुप्पी ने इन्हें चौराहे पर नंगा खड़ा कर दिया है। सीएम योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने यूपी को दंगा और माफिया मुक्त बनाया है। पहले हर जिले में माफिया पूरी व्यवस्था को नियंत्रित करते थे, ठेके लेते थे, दंगे करवाते थे और महिलाओं व व्यापारियों को परेशान करते थे। लोग त्योहारों पर सशंकित रहते थे। अब यूपी में त्योहार शांतिपूर्ण और भव्यता के साथ मनाए जाते हैं। जो हाल आज मुर्शिदाबाद का है, वही कभी यूपी में मुजफ्फरनगर, बरेली, अलीगढ़ और लखनऊ जैसे शहरों का हुआ करते थे। मुख्यमंत्री ने पूर्वी यूपी में इंसेफलाइटिस जैसी घातक बीमारी के उन्मूलन को अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि 40 वर्षों में इस बीमारी से 50,000 बच्चों की मौत हुई, इनमें से ज्यादातर बच्चे अल्पसंख्यक समाज के होते थे, लेकिन किसी नेता के आंसू नहीं बहे। विपक्ष ने कभी इंसेफलाइटिस बीमारी पर ध्यान नहीं दिया क्योंकि बच्चे वोट बैंक नहीं होते। पहले श्वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफियाश होते थे, आज वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज हैं और प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हुई हैं। सीएम योगी ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का उदाहरण देते हुए बताया कि 2016 में बिना किसी तैयारी के इसका शिलान्यास कर दिया गया, तब 15,200 करोड़ रुपए का यह प्रोजेक्ट अनियमितताओं से भरा था। हमारी सरकार ने इसे रद्द कर दोबारा से प्रोजेक्ट को डिजाइन किया और पूरी परियोजना को केवल 11,800 करोड़ रुपए में पूरा किया, जिससे जनता के पैसे की लूट रोकी गई। यह वही पैसा है, जिसे लूटकर इंग्लैंड में होटल बनते हैं। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर शिवाजी, महाराणा प्रताप और राणा सांगा जैसे महापुरुषों का अपमान करने और औरंगजेब, बाबर और जिन्ना जैसे राष्ट्र को तोड़ने वालों का महिमामंडन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग वोट बैंक के लिए प्रोपगंडा करते हैं और समाज में विद्वेष फैलाते हैं। हमें एक समृद्ध यूपी, विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लिए राष्ट्रनायकों का सम्मान करना बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री के पंचप्रण का एक संकल्प यह भी है कि राष्ट्रनायकों का हमें सम्मान करना है।

मौजूदा वक्फ में पांच मई तक कोई बदलाव नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई करते हुए कहा कि मौजूदा वक्फ में अगली सुनवाई तक कोई बदलाव नहीं होने चाहिए। न्यायालय मामले की अगली सुनवाई पांच मई को करेगा। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार तथा न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनने के बाद कहा, "हम नहीं चाहते कि स्थिति बदले। पांच साल (इस्लाम का अभ्यास) जैसे प्रावधान हैं, जिन पर हम रोक नहीं लगा रहे हैं।" पीठ के समक्ष श्री मेहता ने निवेदन करते हुए कहा कि केंद्र सरकार सात दिन के भीतर जवाब दाखिल करेगी और अगली तारीख तक परिषद या बोर्ड में कोई नियुक्ति नहीं होगी। उन्होंने यह

भी कहा कि अगली तारीख तक उपयोगकर्ताओं द्वारा वक्फ का स्वरूप नहीं बदलेगा, हालांकि उन्होंने तर्क दिया कि अदालत को वक्फ संशोधन अधिनियम, 1995 पर अप्रत्यक्ष रूप से रोक लगाकर कठोर रुख नहीं अपनाना चाहिए। अदालत ने श्री मेहता का बयान दर्ज किया और जवाब दाखिल करने की अनुमति दी। शीर्ष अदालत ने सरकार के जवाब पर याचिकाकर्ताओं को पांच दिन के भीतर जवाब दाखिल करने की अनुमति दी। पीठ ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए पांच मई, 2025 की तारीख मुकर्रर की। सुनवाई के दौरान, अदालत ने कहा कि केवल पाँच रिट याचिकाओं पर विचार किया जाएगा और शेष को निपटाया हुआ माना जाएगा, क्योंकि 100 या 120 याचिकाओं पर विचार करना असंभव है। अदालत ने आदेश दिया कि 1995 के वक्फ अधिनियम और 2013 में किए गए संशोधनों को चुनौती देने वाली रिट याचिकाओं को सूची में अलग से दिखाया जाएगा। अदालत ने केंद्र के लिए कनु अग्रवाल को नोडल वकील नियुक्त किया। शुरुआत में, श्री मेहता ने कहा कि वह बुधवार को अदालत द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब देने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अदालत को केवल कुछ धाराएँ पढ़कर कानून पर रोक नहीं लगानी चाहिए। उन्होंने कहा, "कई संशोधन हुए, समितियाँ बनीं और लाखों लोगों ने प्रतिनिधित्व किया। गाँव छीने जा रहे हैं और निजी संपत्तियाँ वक्फ के तौर पर छीनी जा रही हैं।" उन्होंने कहा कि अगर अदालत पक्षों की बात सुन ले तो कुछ नहीं बदलेगा।

मनरेगा मज़दूरी नहीं बढ़ाना श्रमिक अधिकार पर आघात : खरगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि मनरेगा श्रमिकों की मजदूरी नहीं बढ़ाना कामगारों के साथ अन्याय है और ऐसा नहीं करके मोदी सरकार अपनी श्रमिक विरोधी नीति के कारण मनरेगा श्रमिकों के अधिकारों पर कुठाराघात कर रही है। श्री खरगे ने कहा, ष्ऐसा लगता है कि जनविरोधी मोदी सरकार ने मनरेगा की मजदूरी बढ़ाने से इनकार कर दिया है। ये मनरेगा श्रमिकों के अधिकारों पर कुल्हाड़ी चलाना है। हाल ही, में संयुक्त संसदीय समिति ने मनरेगा श्रमिकों की रोज़ाना मजदूरी को 400 रुपये करने की सिफारिश की थी। वर्ष 2023 में बनी अमरजीत सिन्हा की

उच्च स्तरीय समिति ने भी मजदूरी बढ़ाने और मनरेगा का बजट बढ़ाने का सुझाव दिया था। पर ग़रीब विरोधी मोदी सरकार, एक के बाद एक मनरेगा मज़दूरों पर जुल्म ढ़ाने पर उतारू है। क़रीब सात करोड़ पंजीकृत वर्करों को मनरेगा से आधार आधारित भुगतान की शर्त लगा बाहर करना हो, या फिर 10 सालों में मनरेगा बजट का पूरे बजट के हिस्से में सब से कम आवंटन करना हो, मोदी सरकार ने मनरेगा पर लगातार चोट मारने का काम किया है।'' उन्होंने कहा, ''मनरेगा-हमारे देश के सबसे ग़रीब परिवारों के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा लाया रोज़गार की गारंटी का अधिकार है। हम अपनी दो माँगों पर अडिग हैं, मनरेगा श्रमिकों के लिए रोज़ाना 400 रुपये की न्यूनतम मजदूरी तय की जाए और उन्हें साल में कम से कम 150 दिन का काम मिले।''

बदायूं में ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से दो मरे,तीन घायल

बदायूं, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बदायूं जिले के दातागंज कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार भोर ट्रैक्टर ट्राली पलटने से उसमें सवार दो लोगों की मौत हो गयी जबकि तीन अन्य गंभीर रुप से घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सुबह लगभग चार बजे ग्राम बेनी नगला निवासी बाबूजी की पत्नी रीना को प्रसव पीड़ा होने के कारण फतेहगंज पश्चिमी से ट्रैक्टर द्वारा सीएससी दातागंज लाया गया था। प्रसूता को भर्ती करने के बाद ट्रैक्टर द्वारा ही बाबूजी एवं उसके साथ अन्य पांच लोग वापस गांव जा रहे थे कि रास्ते में ढिलवारी गांव के सरकारी स्कूल के पास अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में ट्रैक्टर पर सवार सुखपाल,राकेश, मनोज, बाबूजी और बबलू घायल हो गए जिन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दातागंज लाया गया जहां डॉक्टरों ने सुखपाल (21) व राकेश (22) को मृत घोषित कर दिया वहीं अन्य तीन को जिला अस्पताल बदायूं के लिए रेफर कर दिया गया है। घटना में घायल एवं मृतक सभी एक साथ रहकर फतेहगंज पश्चिमी में राजू लाला के यहां भट्ठे पर काम करते थे और वहीं से भट्ठे वाले लाला का ट्रैक्टर लेकर रात्रि में ही गांव आए थे।

बढ़ती कीमतों को लेकर बेंगलुरु में कांग्रेस का प्रदर्शन

● सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार भी हुए शामिल

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक कांग्रेस ने बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में एक विशाल विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर गरीब विरोधी नीतियों का आरोप लगाया गया। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार समेत वरिष्ठ नेताओं ने प्रदर्शन में भाग लिया और केंद्र पर अमीर और गरीब के बीच की खाई को चौड़ा करने का आरोप लगाया। विरोध प्रदर्शन में बोलते हुए, मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने भाजपा पर तीखा हमला किया, आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में लगातार मूल्य वृद्धि और कर वृद्धि हुई है, जिसका आम लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने के साथ ही शोषण शुरू हो गया। डीजल, पेट्रोल, एलपीजी, तेल, सीमेंट और यहां तक कि फसलों जैसी आवश्यक

वस्तुओं की कीमतें बढ़ गई हैं – कुछ की कीमतें तो 100 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। बायर गौड़ा ने विभिन्न सरकारों के तहत कर व्यवस्थाओं की तुलना करते हुए कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार ने 3.40 रुपये का मामूली कर लगाया था, जबकि वर्तमान भाजपा सरकार ने 25 रुपये का भारी उपकर लगाया है। उन्होंने एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भारी वृद्धि पर भी प्रकाश डाला, जो उनके अनुसार 400 रुपये से बढ़कर 1,000 रुपये से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा, यह आम लोगों का खून चूसने से कम नहीं है। मंत्री ने आगे दावा किया कि भाजपा की कर नीतियां अमीरों के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा, ''जबकि अमीरों के लिए आयकर की दरें 40 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत कर दी गई हैं, आम नागरिकों को बढ़े हुए करों और बढ़ती लागतों का सामना करना पड़ रहा है।'' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलीम अहमद ने इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया, जिसमें कई मंत्रियों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन का उद्देश्य ईंधन और रसोई गैस की कीमतों को नियंत्रित करने में केंद्र की विफलता की ओर ध्यान आकर्षित करना था, जिसने मध्यम और निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए दैनिक जीवन को और अधिक कठिन बना दिया है।

ममता बनर्जी का गृह मंत्रालय पर बड़ा आरोप, विदेशों से बंगाल में प्रवेश करने वाले लोगों का नहीं साझा किया जा रहा ब्यौरा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को दावा किया कि गृह मंत्रालय ने विदेशों से राज्य में प्रवेश करने वाले व्यक्तियों का विवरण साझा नहीं किया है। उन्होंने सीमा से 50 किलोमीटर तक अपने अधिकार क्षेत्र का विस्तार करने के बाद बीएसएफ से अधिक जवाबदेही की भी मांग की। मुर्शिदाबाद हिंसा पर बोलते हुए बनर्जी ने

स्थिति पर चिंता जताते हुए राज्यपाल से दंगा प्रभावित जिले का दौरा न करने का आग्रह किया। सुती, जंगीपुर और समसेरगंज जिलों में पिछले कुछ हफ्तों में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए हैं जो हिंसक हो गए हैं। आंदोलनकारियों ने वाहनों को जला दिया, पुलिस वैन को आग लगा दी और झड़पें हुईं, जिसके परिणामस्वरूप पुलिसकर्मी घायल भी हुए। हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई, जिसके बाद जिले के कुछ हिस्सों में बीएसएफ और केंद्रीय बलों की तैनाती की गई।

20 घंटे का सफर 13 घंटे में! बिहार को मिलने जा रही दो प्रीमियम ट्रेनें, 24 अप्रैल को मोदी दिखा सकते हैं हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे बिहार में रेल संपर्क को बेहतर बनाने के लिए सहरसा से नई दिल्ली तक दो प्रीमियम ट्रेन सेवाएं, वंदे भारत और अमृत भारत शुरू करने जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल को मधुबनी से सहरसा-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस को आधिकारिक रूप से हरी झंडी दिखाएंगे। यह बिहार की दूसरी अमृत भारत एक्सप्रेस होगी, जिसका मार्ग दरभंगा और सीतामढ़ी से होकर गुजरने की उम्मीद है। ट्रेन की रेक

पहले ही बिहार पहुंच चुकी है और समस्तीपुर रेलवे डिवीजन ने इसका सफलतापूर्वक ट्रायल रन भी किया है। वहीं, सहरसा से नई दिल्ली के लिए वैकल्पिक मार्ग से वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू करने की भी तैयारी चल रही है। यह हाई-स्पीड ट्रेन बरौनी, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, हाजीपुर, पाटलिपुत्र, दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन और लखनऊ सहित प्रमुख स्टेशनों से होते हुए नई दिल्ली पहुँचेगी। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि ट्रेन सिर्फ़ 13 घंटे में यात्रा पूरी करेगी, जिससे इस क्षेत्र के यात्रियों को तेज़ और अधिक सुविधाजनक यात्रा का विकल्प मिलेगा। समस्तीपुर रेलवे डिवीजन ने दोनों आगामी ट्रेनों के रखरखाव कार्यों का समर्थन करने के लिए सहरसा स्टेशन पर बुनियादी ढाँचे के विकास की शुरुआत की है। वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियरिंग विभाग ने ट्रेन के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक ओवरहेड उपकरण (ब्भ्म्) को अपग्रेड करना और स्थापित करना शुरू कर दिया है। बिहार में इस साल के अंत में चुनाव होने वाले हैं, इसलिए इन हाई-प्रोफाइल ट्रेनों की शुरुआत को क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर केंद्र सरकार के फोकस के रूप में भी देखा जा रहा है। उन्नत रेल सेवाओं का उद्देश्य गतिशीलता में सुधार करना, यात्रा के समय को कम करना और पूरे क्षेत्र में नए आर्थिक अवसर पैदा करना है।

देश से नक्सलियों के उन्मूलन में सीआरपीएफ की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी : शाह

नीमच, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि देश में 31 मार्च 2026 तक नक्सलियों के पूरी तरह खात्मे का संकल्प केंद्र सरकार ने लिया है और इसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

श्री शाह ने मध्यप्रदेश के नीमच जिला मुख्यालय पर "86वें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल दिवस परेड 2025" कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, सीआरपीएफ के महानिदेशक ज्ञानेंद्रप्रताप सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। श्री शाह ने अपने संबोधन में सीआरपीएफ के अधिकारियों और जवानों की गौरव गाथा के

बारे में विस्तार से बताया और कहा कि इस बल की कोबरा बटालियन के जवानों की बदौलत देश में नक्सली सिमटकर अब सिर्फ चार जिलों में रह गए हैं। उन्होंने कहा कि ये नक्सली कभी "पशुपति से तिरुपति" तक का हौंसला रखते थे, जो चार जिलों में सिमटकर रह गए हैं। उन्होंने पूर्ण विश्वास व्यक्त किया कि आगामी 31 मार्च तक देश से नक्सलियों का पूरी तरह खात्मा हो जाएगा। केंद्र सरकार ने यह संकल्प सीआरपीएफ की क्षमताओं के कारण ही लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कोबरा जवानों की कार्यप्रणाली की बार बार सराहना करते हुए कहा कि जब नक्सलियों को पता चलता है कि कोबरा जवान उनकी तरफ बढ़ रहे हैं, तो नक्सलियों की रुह कांप जाती है। और अब खासतौर से इन्हीं जवानों की बदौलत देश से नक्सलियों का खात्मा होगा।

श्री शाह ने सीआरपीएफ जवानों और अधिकारियों की कर्तव्यस्थल पर कार्य का स्मरण करते हुए कहा कि इसकी स्थापना से लेकर अब तक 2264 जवान शहीद हुए हैं। उन्होंने कहा कि देश वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है और इस तरह के लक्ष्य को हासिल करने में भी इन जवानों को बड़ा योगदान रहेगा। ये अधिकारी जवान देश में शांति बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

राष्ट्रपति को आदेश देना लोकतंत्र के खिलाफ : धनखड़

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट की शक्तियों पर कड़े शब्दों में टिप्पणी करते हुए कहा कि लोकतंत्र में ऐसी स्थिति नहीं हो सकती जहां अदालतें राष्ट्रपति को निर्देश दें। उनकी यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक ऐतिहासिक फैसले में राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए संविधान के अनुच्छेद 370 को मंजूरी देने की समय सीमा तय करने के कुछ दिनों बाद आई है। राज्यसभा के प्रशिक्षुओं के छठे बैच को संबोधित करते हुए धनखड़ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास से भारी मात्रा में नकदी बरामद होने के बारे में विस्तार से बात की और इस विवाद पर न्यायपालिका की प्रतिक्रिया की आलोचना की। उपराष्ट्रपति ने विधेयक को मंजूरी देने के लिए राष्ट्रपति के अधिकार क्षेत्र पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का हवाला दिया और पूछा कि क्या न्यायाधीश सुपर-संसद के रूप में कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि हाल ही में एक फैसले में राष्ट्रपति को निर्देश दिया गया है। हम कहां जा रहे हैं? देश में क्या हो रहा है? हमें बेहद संवेदनशील होना होगा। यह किसी के द्वारा समीक्षा दायर करने या न करने का सवाल नहीं है। हमने इस दिन लोकतंत्र के लिए कभी सौदेबाजी नहीं की। राष्ट्रपति को समयबद्ध तरीके से निर्णय लेने के लिए कहा जाता है, और यदि ऐसा नहीं होता है, तो यह कानून बन जाता है।

'परेड में झोपड़पट्टी, दुकानें हटा देंगे कहां जाएंगे'

प्रयागराज। परेड से झोपड़पट्टी और दुकानें हटा देंगे तो गरीब परिवार कहां जाएंगे। परेड की झोपड़पट्टी में गरीब रहकर यहीं दुकान लगाकर परिवार का पेट पालते हैं। परेड में झोपड़पट्टी और दुकानें हटाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के विरोध में एक प्रतिनिधि मंडल बुधवार को अपर आयुक्त से

मिला और गरीब परिवारों पर रहम की गुहार लगाई। पार्षद शिवसेवक सिंह की अध्यक्षता में मलिन बस्ती संघ के सदस्यों ने अपर आयुक्त को झोपड़ियां और दुकानें हटाने के विरोध में ज्ञापन दिया। ज्ञापन देने के बाद कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश में परेड के परिवारों को हटाने के पहले पुनर्वास की व्यवस्था करने का आदेश है। पिछले साल भी संगम क्षेत्र की 26 दुकानें और झोपड़ियां तोड़ी गईं। ज्ञापन देने वालों में पार्षद आनंद घिल्डियाल, अनुराधा, चंदन निषाद, रविप्रकाश सिंह, रघुनाथ निषाद, गोपाल आदि मौजूद रहे।

एमएनएनआईटी के पुरा छात्र के स्टार्टअप को मिली बड़ी सफलता

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के पुरा छात्र हिमांशु चौरसिया ने को–ग्राड नाम से स्टार्टअप बनाया है। हाल ही में लोकप्रिय टेलीविज़न शो शार्क टैंक इंडिया पर एक उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। उन्होंने अपने स्टार्टअप के

प्रभावशाली विज़न के माध्यम से निवेशकों से सफलतापूर्वक फंडिंग हासिल की। बताया कि को–ग्राड एक अभिनव मंच है, जो छात्रों को करियर मार्गदर्शन, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बनाने के लिए कार्यरत है। यह प्लेटफ़ॉर्म शिक्षा और तकनीक के समन्वय से युवाओं को व्यावहारिक अवसर उपलब्ध कराता है। एमएनएनआईटी के डॉ. संजय कुमार ने कहा कि ष्हिमांशु की यह सफलता संस्थान के नवाचार–संवर्धन प्रयासों का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

कॉलेज प्रबंधक के घर में महिला ने घुसकर तोड़फोड़

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र में दो कॉलेजों के प्रबंधक के घर में घुसकर तोड़फोड़, मारपीट व धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। करेली पावर हाउस के सामने रहने वाले जुल्फिकार अहमद खान का आरोप है कि आठ जनवरी को फिरदौस नाम की महिला जबरन उनके घर में घुस गई। इसके बाद उनकी पत्नी और बच्चों के साथ गाली–गलौज व मारपीट की। महिला ने घर के अंदर सामान और बाहर खड़ी कार का शीशा तक तोड़ दिया। शोरगुल सुनकर आस–पास के लोग जुट गए। लोगों ने किसी तरह बीच–बचाव किया। आरोप है कि महिला ने कॉलेज प्रबंधक व उनके परिवार को जान से मारने तक की धमकी दी। पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुरानी रंजिश में युवक से मारपीट, छीने 40 हजार रुपये

प्रयागराज। कीडगंज थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक से मारपीट कर 40 हजार रुपये छीनने का मामला सामने आया है। कीडगंज के पूरावल्दी निवासी पुष्पा निषाद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनके बेटे अभिषेक की कुछ दिन पहले दीपक से विवाद हो गया था। उस वक्त दीपक ने अभिषेक को देख लेने की धमकी दी थी। पुरानी रंजिश के तहत दीपक ने अपने साथी मोनू निषाद, गुड्डू निषाद, नवीन व विष्णु गुप्ता के साथ मिलकर अभिषेक को रास्ते में रोक लिया। आरोपियों ने अभिषेक को मारपीट कर घायल कर दिया। यहां तक कि जेब में रखे 40 हजार रुपये भी छीन कर भाग गए। पुलिस आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

नशे में धुत युवक ने सफाईकर्मी को पीटा

प्रयागराज। करेली क्षेत्र में नाली की सफाई करने के दौरान सफाईकर्मी को नशे में धुत युवक ने मारपीट की। साथ ही जान से मारने तक की धमकी दी। सफाईकर्मी स्वदेश कुमार की तहरीर पर पुलिस आरोपी सुरेश के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच में जुटी है। पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के उपहार निवासी

स्वदेश कुमार सैदपुर में सफाईकर्मी के पद पर कार्यरत है। तहरीर के अनुसार, स्वदेश कुमार सैदपुर में नाली की सफाई कर रहा था। इसी बीच नशे में धुत होकर मोहल्ले का सुरेश आया और बहस करने लगा। स्वदेश ने जब सुरेश का विरोध किया, तो उसने मारपीट शुरू कर दी। आस–पास के लोगों ने बीच–बचाव किया। आरोप है कि सुरेश ने सफाईकर्मी स्वदेश कुमार को जान से मारने तक की धमकी दी। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

एक रुपये का पर्चा, 20 रुपये का पानी, ताला बयां करता शौचालय की कहानी

प्रयागराज। जल ही जीवन है। गर्मी में जल किसी दवा से कम नहीं है। तपती दोपहरी में किसी को तरुवर की शीतल छांव और शीतल जल मिल जाए तो इससे बढ़कर क्या हो सकता है। लेकिन, शहर के तेज बहादुर सप्रू (बेली) रहे तेज बहादुर सप्रू के नाम से बने इस अस्पताल के नाम कई उपलब्धियां भी दर्ज हैं। लेकिन, अस्पताल में इस समय मरीज और तीमारदार पेयजल के लिए भटक रहे हैं। दूर–दराज से आने वाले मरीज यदि अपने साथ पानी लेकर अस्पताल न से अधिक मरीज आते हैं। इसमें प्रयागराज के आसपास के जिलों के भी मरीज शामिल हैं। अस्पताल में प्रवेश करते समय दाईं तरफ एक अनुदान में मिला वाटर कूलर लगा है लेकिन उसमें पानी की सप्लाई नहीं होती। प्राइवेट वार्ड के दाईं गया था लेकिन अमल नहीं हुआ। इसलिए अस्पताल में मरीजों और तीमारदारों को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति तब है जब मौसमी बीमारी के चलते मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। पूरे अस्पताल परिसर में एक हैंडपंप रसोईघर के पास लगा है, लेकिन उसमें पानी नहीं आता।

1. एमआरआई कक्ष पास शौचालय में ताला लगा है। इससे मरीज और तीमारदारों को बहुत दिक्कत होती है।
2. एमआरआई और एक्सरे जांच के पास पेयजल का कोई प्रबंध नहीं है। गर्मी के दिनों में परेशानी बढ़ गई है।
3. ट्रामा केयर के पास लगे वाटर कूलर में गर्म पानी आता है। भर्ती मरीजों को बाहर से पानी खरीदना पड़ता है।
4. ओपीडी के पास प्रतीक्षालय में लगा वाटर कूलर खराब रहता है। मरीजों को पानी के लिए भटकना पड़ता है।
5. अस्पताल में स्थित मलेरिया कार्यालय के आसपास फैली गंदगी से मच्छर पनप रहे हैं। इससे दिक्कत होती है।

अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों और तीमारदारों का कहना है कि अस्पताल में एक रुपये में दवा मिल जाती है लेकिन दवा खाने के लिए 20 रुपये का बोतलबंद पानी बाहर से खरीदना पड़ता है। पानी के अभाव में शौचालय में ताला लगा है। 30 बेड का रैन बसेरा है लेकिन उसमें भी ताला लटक रहा है। मार्च–अप्रैल में भी तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने लगा है। आने वाले दिनों में गर्मी और विकराल होगी। ऐसे में अस्पताल में यदि सभी वाटर कूलर शीतल पेयजल देंगे तो हजारों मरीजों और उनके तीमारदारों को राहत मिलेगी।

शहर में तेज बहादुर सप्रू (बेली अस्पताल) अपनी बनावट और व्यवस्थित चिकित्सा संसाधन को लेकर विशिष्ट स्थान रखता है। कारण कि एक तो यह अस्पताल मुख्य मार्ग पर स्थित है। दूसरा उसके आसपास अति विशिष्ट लोगों का आवास, सीएमओ कार्यालय, जिला टीबी कार्यालय आदि है। स्वंत्रता सेनानी और इलाहाबाद हाईकोर्ट के तेज तर्रार अधिवक्ता आएं तो उनका गला तर नहीं होगा। हालांकि अस्पताल में कुछ स्थान पर वाटर कूलर लगाए गए हैं पर वह भी नाकाफी साबित हो रहे हैं। जबकि मौसम में बदलाव के साथ तपिश भी बढ़ रही है। मार्च में दो दिन प्रयागराज प्रदेश में सबसे गर्म रहा। ओपीडी में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस बीच अस्पताल के मुख्य गेट, एमआरआई जांच केंद्र के सामने, रक्त संग्रह कक्ष के बगल लगे वाटर कूलर और उसके बगल में लिखा शुद्ध पेयजल मरीजों, तीमारदारों, अस्पताल कर्मियों, इंटर्नशिप कर रहे छात्र–छात्राओं, अस्पताल के मजदूरों को मुंह चिढ़ा रहे हैं। गर्मी में प्यास से व्याकुल लोग वाटर कूलर की तरफ आते हैं लेकिन वहां जमी धूल, सूखी पत्ती और गंदगी को देखकर मायूस हो जाते हैं। ओपीडी के पास लगे एक वाटर कूलर में पानी जरूर आता है लेकिन उसके आसपास गंदगी देखकर लोग नाक बंद कर लेते हैं।

कहीं ताला तो कही मशीन कबाड़, टोटियां भी सूखीं

अस्पताल में प्रतिदिन 1500 तरफ स्थित रक्त संग्रह कक्ष के पास लगे वाटर कूलर में भी पानी नहीं आता। उधर, पानी के अभाव में पुरुष व महिला शौचालय में ताला लगा है। एमआरआई केंद्र के सामने बने आरओ वाटर प्लांट में ताला बंद है। उसके अंदर की मशीन कबाड़ हो गई है। कक्ष के बाहर निकली टोटी सूखी है। नेत्र विभाग और सीटी स्कैन के पास नल से पानी तो निकलता है पर गर्म। पिछले साल जून में रोगी कल्याण समिति की बैठक में मरीज और तीमारदारों को पानी की सहूलियत के लिए बोरिंग कराने का निर्णय लिया

1– ओपीडी प्रतीक्षालय के पास शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं है। वहां वाटर कूलर लगाया जाना चाहिए।
2– अस्पताल के डिजिटल एक्सरे के पास शौचालय की नियमित साफ–सफाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।
3– एमआरआई कक्ष के पास खराब वाटर कूलर को सही कराया जाए, जिससे मरीजों को दिक्कत न हो।
4– मरीजों के लिए पेयजल की भी सुविधा मिलनी चाहिए। ताकि जरूरतमंदों को बाहर से पानी न खरीदना पड़े।
5– अस्पताल में स्थित मलेरिया कार्यालय के आसपास गंदगी साफ की जाए, जिससे अस्पताल में मच्छर न फैलें।

मलेरिया विभाग मच्छरों को दे रहा दावत

अस्पताल में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय के पीछे तीन कमरे में जिला मलेरिया विभाग का कार्यालय संचालित होता है। लेकिन कार्यालय के आसपास फैली गंदगी मच्छरों को दावत दे रही है। कार्यालय के अंदर एक आरओ मशीन लगी है लेकिन गेट पर लगे नल पर काई जम गई है। मच्छर पनप रहे हैं। विभाग के कर्मचारियों का कहना है कि पानी सप्लाई बंद होने पर बाल्टी में पानी भरकर लाते हैं। जबकि मलेरिया विभाग के नेतृत्व में जिले में संचारी रोगों से नियंत्रण के लिए अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही भारी–भरकम राशि खर्च की जा रही है।

अस्पताल में पानी की किल्लत है। काउंटर पर दवा लेने के बाद उसे खाने के लिए बाहर से बोतलबंद पानी खरीदना पड़ा।

वाटर कूलर में पानी नहीं आ रहा है। उसमें घास भरी हुई है। इतने बड़े अस्पताल में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था होनी चाहिए।

दवा तो एक रुपये की पर्ची में मिल गई लेकिन दवा खाने के लिए गेट के पास 20 रुपये की पानी की बोतल खरीदी है।

एमआरआई कक्ष के पास पीने के लिए पानी खोजती रही लेकिन वहां के वाटर कूलर की टोटी ही गायब थी। पानी नहीं मिला।

कुंडा से सुबह सात बजे ही अस्पताल पहुंच गई थी। गेट के पास चबूतरे पर रोटी खाई लेकिन पानी बाहर से मंगाकर पीना पड़ा।

अस्पताल में बहुत खोजने पर एक जगह मुश्किल से पानी मिला लेकिन वह बहुत ठंडा नहीं था। इसलिए बाहर से लेना पड़ा।

सांस फूल रही है। चल पाना मुश्किल है। पानी खोजने कहां जाऊं। खरीदना मुश्किल है। चबूतरे पर आराम कर प्यासी चली जाऊंगी।

ओपीडी में दवा लेने के बाद एमआरआई जांच के लिए आया हूं। लेकिन वहां वाटर कूलर खराब होने के कारण पानी नहीं मिल रहा।

गेट नंबर एक के पास काउंटर पर दवा ली लेकिन वहां पर लगे वाटर कूलर से पास पानी नहीं मिला। भटकना पड़ रहा है।

ओपीडी प्रतीक्षालय के पास पेयजल की व्यवस्था नहीं है। मरीजों को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़े, इसकी भी व्यवस्था की जाएगी।

अस्पताल के डिजिटल एक्सरे कक्ष के पास शौचालय की सफाई नहीं होती। जांच के लिए आने वाले मरीजों को परेशानी होती है।

मरीजों के लिए पेयजल की भी सुविधा होनी चाहिए। ताकि लंबे समय तक इंतजार करने के दौरान उन्हें पानी के लिए न भटकना पड़े।

मरीजों को पीने का पानी मुहैया कराना चाहिए। ताकि प्रतीक्षा करने में असहजता महसूस न हो। पानी खरीदना भारी पड़ता है।

ब्लड संग्रह केंद्र के पास पानी की व्यवस्था उपलब्ध करानी चाहिए। गर्मी के दिनों में प्यास भी खूब लगती है। गला तर हो सके।

डिजिटल एक्सरे कक्ष के पास सप्ताहभर से सफाई नहीं हुई। बदबू के कारण कक्ष के पास बैठना मुश्किल है। मच्छरों का प्रकोप है।

दवा लेने के बाद एमआरआई जांच के लिए गया। प्यास लगी तो वहां वाटर कूलर खराब होने के कारण पानी ही नहीं मिल सका।

एक्सरे के लिए काफी इंतजार करना पड़ता है। लेकिन वहां पर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं हैं। शौचालय की भी सफाई नहीं होती।

अस्पताल के हर विभाग के पास शुद्ध पेयजल की व्यवस्था होनी चाहिए। पीने के पानी की किल्लत से मरीजों को परेशानी होती है।

अस्पताल में शुद्ध पेयजल के पर्याप्त इंतजाम हैं। जहां पानी की दिक्कत थी, वहां व्यवस्था करा दी गई है। अन्य वाटर कूलर भी सही कराए जा रहे हैं। मरीजों और तीमारदारों को पानी के लिए कोई परेशानी नहीं है।

– डॉ. भावना शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, बेली

कचरे से गैस और बिजली बनाकर करेंगे पर्यावरण की रक्षा

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के वैज्ञानिक विकसित भारत /2047 मिशन के तहत बायोडिग्रेडेबल कचरे से गैस और बिजली बनाकर पर्यावरण की रक्षा करने के लिए काम शुरू कर दिया है।

इसके तहत उत्तरी, पूर्वोत्तर और दक्षिणी राज्यों में खाद्य अपशिष्ट और पौधों के अवशेष जैसे बायोडिग्रेडेबल कचरे को इकट्ठा कर उर्जा संसाधन का विकल्प खोजेंगे।

यह जिम्मा केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) ने विजन विकसित भारत /2047 योजना के तहत एमएनएनआईटी को दिया है। इस प्रोजेक्ट में संस्थान के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बीरेश्वर पॉल मुख्य अन्वेषक (पीआई) और अप्लाइड मैकेनिक्स विभाग के प्रो. अक्षय रंजन पॉल सह मुख्य अन्वेषक

हैं। प्रो. पॉल ने बताया कि इसका उद्देश्य सामाजिक प्रासंगिकता के साथ इंजीनियरिंग नवाचार को जोड़ने वाला व्यावहारिक ज्ञान उत्पन्न करना है। देश के तीन अहम हिस्सों में जो अपने आप में जनसांख्यिकीय और सांस्कृतिक रूप से विविध हैं, इस शोध का केंद्र रहेंगे।

इस पहल के तहत इन क्षेत्रों में ऊर्जा और खाद उत्पादन के लिए बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट के उपयोग की तकनीकी और आर्थिक व्यवहार्यता, पर्यावरणीय स्थिरता एवं सामाजिक स्वीकृति का मूल्यांकन किया जाएगा।

प्रो. पॉल ने बताया कि इस शोध में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एआईटी) अगरतला और इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (आईएआरई) हैदराबाद के विशेषज्ञों का सहयोग लिया जाएगा। इसके अलावा संस्थान के एसआरएफ डॉ. धनंजय यादव, फील्ड इंवेस्टिगेटर श्रवण कुमार और शशांक शामिल हैं।

प्रयागराज-मिर्जापुर हाईवे फोरलेन करने को सर्वे शुरू

प्रयागराज। लोक निर्माण विभाग के राष्ट्रीय मार्ग खंड की ओर से प्रयागराज–मिर्जापुर हाईवे को फोर लेन करने की कवायद तेजी से शुरू कर दी गई है। हाईवे को विस्तारीकरण योजना के अंतर्गत चौड़ा करने का निर्देश केंद्रीय सड़क और परिवहन राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने खंड के अधिकारियों को दिया है।

इसको देखते हुए खंड के अधिकारियों ने हाईवे का सर्वे कार्य भी शुरू कर दिया है। अभी तक दो लेन का हाईवे होने की वजह से अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। नए वित्तीय वर्ष में जाम की समस्या का समाधान करने के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इसे फोर लेने बनाने की

जिम्मेदारी मार्च के पहले सप्ताह में राष्ट्रीय मार्ग खंड को सौंपी थी। इसके लिए उन्हें शासन की ओर से प्रस्ताव दिया गया था। मंत्रालय की योजना को खंड के प्रयागराज और मिर्जापुर सेक्शन दोनों मिलकर पूरी करेंगे। प्रयागराज से मिर्जापुर की कुल दूरी 86 किमी है। खंड के प्रयागराज के अधिकारियों की ओर से लेप्रोसी मिशन चौराहे से लेकर मांडा तक 50 किलोमीटर की दूरी का सर्वे होली के बाद शुरू कराया गया था।

इसके लिए विशेषज्ञों की चार अलग–अलग टीम भूमि अधिग्रहण को लेकर अपना डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने में जुटी है। मांडा से मिर्जापुर के बीच का सर्वे कार्य मिर्जापुर राष्ट्रीय मार्ग खंड करेगा।

खंड के सहायक अभियंता विशाल सेठ ने बताया कि डीपीआर तैयार करने में तीन महीने का समय लग जाएगा। उसके बाद मंत्रालय को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

गर्भवती महिलाओं को नहीं मिल रहा स्वास्थ्य सेवाओं का पूरा लाभ

प्रयागराज। सरकार की ओर से उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का पूरा लाभ गर्भवती महिलाएं नहीं ले रही हैं। यह चौंकाने वाला तथ्य झूंसी स्थित गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान के विशेषज्ञों के अध्ययन में सामने आया है। संस्थान के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कुणाल केसरी के निर्देशन में पीएचडी छात्रा नम्रता अहिरवार ने प्रयागराज की चार मलिन बस्तियों की 200 गर्भवती महिलाओं पर अध्ययन किया। यह अध्ययन 'अंडरस्टैंडिंग द फैक्टर ऑफ यूटिलाइजेशन ऑफ मैटरनल हेल्थ केयर सर्विस अमंग वूमेन इन अरबन स्लम ऑफ इलाहाबाद सिटी नामक पुस्तक में प्रकाशित हुआ है। नम्रता ने बताया कि शास्त्रीपुल के पास पुरा पड़ाइन, मिंटो पार्क स्थित धरकार बस्ती, तकिया, परेडग्राउंड मलिन बस्ती में 200 गर्भवती महिलाओं का सर्वे किया गया। इसमें पाया गया कि 54 फीसदी गर्भवती महिलाओं ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ही नहीं लिया है। छह माह में 18.2: गर्भवती महिलाओं ने ही दो से तीन बार अस्पताल जाकर स्वास्थ्य की जांच कराई। 34: गर्भवती महिलाओं ने टेटनस टॉक्सॉइड (टीटी) का इंजेक्शन लगवाया है। जबकि 66 फीसदी ने टीटी का इंजेक्शन नहीं लगवाया। इसमें से 43: का प्रसव अस्पताल में हुआ। जबकि बाकी का घर पर प्रसव कराया गया है। 86 प्रतिशत महिलाओं की नार्मल डिलीवरी हुई। अध्ययन में पाया गया कि प्रयागराज शहर की अधिकांश मलिन बस्तियों में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं का ठीक से उपयोग नहीं किया गया।

करेली में जमीन विवाद में मारपीट, चली गोली

प्रयागराज। करेली क्षेत्र में एक गेस्ट हाउस के समीप जमीन विवाद में दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। दोनों पक्ष की ओर से लाठी–डंडे के साथ ईंट पत्थर भी खूब चले। आरोप है कि एक पक्ष की ओर से हवाई फायरिंग तक की गई। गोली चलने की आवाज से सनसनी फैल गई। एक पक्ष के सैफ की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है। वहीं, घटनास्थल से एक खोखा भी मिला है। हालांकि पुलिस ने गोली चलने से इनकार किया है। पुलिस का कहना है कि जमीन विवाद में दो पक्षों में मारपीट हुई थी। एक पक्ष की ओर से तहरीर मिली है। मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

राजरूपपुर में नए नलकूप का निर्माण शुरू

प्रयागराज। राजरूपपुर क्षेत्र के ओमप्रकाश सभासद नगर में नए नलकूप का निर्माण शुरू हो गया। महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने बुधवार को बड़े नलकूप का भूमि पूजन और शिलान्यास किया। भूमि पूजन और शिलान्यास के बाद महापौर ने कहा कि नलकूप के निर्माण से हजारों परिवारों को पेयजल संकट से राहत मिलेगी। क्षेत्र में पानी के संकट को देखते हुए नया नलकूप स्थापित करने का निर्णय लिया गया। समारोह में पार्षद गुलाब सिंह पटेल, मुकेश कसेरा, रूद्रसेन जायसवाल, हिमालय सोनकर, विष्णु त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

कार सहित चालक को गायब करने का आरोप

मोरना। भोकरहेड़ी मे भाड़े पर टेक्सी चलाने वाला युवक वापस घर नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता हुई।मोबाइल ऑफ़ मिलने व कहीं कोई जानकारी न मिलने पर अनहोनी की आशंका जताते हुए परिजनों ने तीन युवकों पर युवक को गायब करने का आरोप लगाया है। युवक की मां ने थाने पर तहरीर देकर युवक की बरामदगी की गुहार लगाई है। भोपा थाना क्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी स्थित मोहल्ला बेहड़ा पट्टी निवासी मुनेश देवी पत्नी मनोज चौधरी ने दी गई तहरीर में बताया कि उसका पुत्र विकास उर्फ कमल आल्टो कार को किराए भाड़े पर चलता है।और इसी से परिवार की गुज़र बसर करता है।बुधवार की शाम कस्बे के ही तीन युवक विकास उर्फ़ कमल को मुजफ्फरनगर किसी कार्य से ले गए किंतु वह वापस नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता हुई।कमल का मोबाइल भी स्विच ऑफ मिला।सभी संभावित स्थानों पर कमल के बारे में जानकारी की गई किंतु कमल का कोई सुराग ने लगने पर अनहोनी से आशंकित परिजनों ने कस्बे के मोहल्ला सेठपुरी व मोहल्ला बाजार निवासी युवक सहित एक अज्ञात पर कमल को गायब करने का आरोप लगाते हुए। पुलिस को तहरीर देकर कमल की शीघ्र बरामदगी की गुहार लगाई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी युवक भी घर से गायब बताये जा रहे हैं। कमल सहित आरोपी युवकों के गायब होने से कस्बे मे हड़कंप मच गया है।

ध्यान योग के बिना सम्भव नहीं है साधना: कशिश जोशी

मोरना। शुकतीर्थ स्थित प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय सेंटर मे आयोजित मैडिटेशन कार्यक्रम मे ध्यान योग साधना का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के समापन पर पुस्तक सौगात का वितरण का किया गया। कार्यक्रम मे पहुंची साध्वी कशिश जोशी ने कहा की ब्रह्म तत्व को पाने के लिए आत्मा को शुद्ध करना होगा और आत्मा की शुद्धि के लिए आंतरिक विकारो को दूर करना होगा। अनेक बुरे विचारों से ग्रसित आत्मा को अच्छे

विचारों और अच्छे कर्मो से साफ करना होगा।महिला संगठन की ममता त्यागी ने कहा की महिलाएं संस्कारो की जननी हैं। आज के भर्मित समाज को महिलाएं उचित व प्रभावशाली दिशा देने का कार्य करें। दृढ़ संकल्प के साथ महिलाएं आगे आएं और समाज को आदर्श दिशा प्रदान करें। बी के प्रवेश दीदी ने कहा की शिव बाबा का प्रसाद प्रत्येक के लिए है। ध्यान योग साधना के द्वारा शिव बाबा की विशाल कृपा को पाना होगा। विश्व मे शान्ति के लिए हिंसा को त्यागना होगा। और हिंसा का त्याग मन से माहौल से होगा। योग साधना का प्रशिक्षण लेकर हम जीवन मे शान्ति का संचार करेंगे।कार्यक्रम के उपरांत पुस्तक प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से बी के बीनू दीदी बी के श्रवण भाई, बी के प्रियांशी दीदी आदि उपस्थित रहे।

फीस में वृद्धि ड्रेस किताबों में कमीशन, अभिभावकों पर दोहरी मार

-निजी स्कूल संचालाकों की मनमानी के आगे अभिभावक असहाय

मथुरा। निजी स्कूल शिक्षा के लुभावने वायदों से हकीकत जुदा है। फीस में वृद्धि का रोना अभिभावक कलेक्टर तक रो कर आये हैं। स्कूलों का ड्रेस और किताबों में कमीशन अलग से। स्कूलों में नवीन सत्र के प्रारंभ होते ही अभिभावकों की परेशानी शुरू हो गई है। जिसमे अधिकतर प्राइवेट बिद्यालय संचालको द्वारा छात्रों की किताबें मनमानी कीमतों पर चुनिंदा और तयशुदा दुकानों पर बिक्री कराई जा रही हैं। जैसे राया क्षेत्र के अधिकतर विद्यालयों की किताबें कस्बे के बलदेव रॉड स्थित .एक पुस्तक भंडार पर मिलेंगी यह अभिभवकों को पहले ही बता दिया जाता है। दूसरे कस्बा और महानगर में भी यही स्थिति है। जो बिद्यालय संचालको को मोटा कमीशन देकर अभिभावकों की जेबो पर डांका डाल रहा है। जिससे अभिभावक खासे परेशान है। पाल्यो को पढ़ाने एवं विद्यालय संचालको के दबाब के चलते अभिभावकों को निज विक्रेता से ही किताबे लेनी पड़ रही है। महंगी किताबें, स्टेशनरी, यूनिफॉर्म स्कूलों से खरीदना अभिभावकों की मजबूरी है। चुनिंदा दुमानों पर प्राइवेट पब्लिकेशन की किताबें लगवाई गई है,

जिनकी कीमत आसमान छू रही है। कॉपी किताब भी विद्यालय या विद्यालय के निज विक्रेता से खरीदने का विद्यालय संचालक अभिभावकों पर दबाब बनाते है। वही किताबें अन्य पब्लिकशेन से खरीदने पर किताबो के दामो में भारी अंतर मिलता है। किताबो को किसी अन्य पब्लिकेशन से खरीदा जाएगा तो बिद्यालय में मान्य नही होंगी। कॉपी किताब का सेट इतना महंगा है कि उसे खरीदने में अभिभावकों के पसीने छूट रहे है। कई निजी स्कूलों में तो पहली से आठवीं कक्षा की किताबों का सेट छह से 10 हजार रुपये में दिये जा रहे हैं। प्रशासन और शिक्षा विभाग इस लूट पर चुप्पी साधे हुए हैं। अब इसे इनकी मिलीभगत कहें या अनदेखी जिससे विद्यालय संचालक लूट खसूट करने में लगे है। इन दिनों सभी पुस्तक विक्रेताओं के यहां अभिभावकों की लंबी लंबी लाइनें लग हैं। परिजन बच्चों की किताब खरीदने चुनिंदा दुकानों पर पहुंच रहे हैं। स्कूलों द्वारा तय निजी प्रकाशकों की किताबें एनसीईआरटी की किताबों से पांच गुना तक अधिक महंगी हैं। अधिकांश निजी स्कूल संचालक राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की किताबें मंगवाने में रुचि नहीं दिखाते। निजी विद्यालयों में 80 फीसदी निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें पढ़ाई जाती हैं। इन किताबों की कीमत एनसीईआरटी से कई गुणा अधिक होती हैं। कई किताबों में तो प्रिंट रेट के ऊपर अलग से प्रिंट स्लिप चिपकाकर प्रकाशित मूल्य से कहीं अधिक वसूली की जा रही है। निजी स्कूलों में कमीशन के चक्कर में हर साल किताबें बदलने के साथ अलग अलग प्रकाशकों की महंगी किताबें लगाई जाती हैं। एनसीईआरटी की 256 पन्नों की एक किताब 65 रुपये की है तो वहीं निजी प्रकाशक की 167 पन्नों की किताब 305 रुपये में मिल रही है। कई किताबों की कीमत 500 से 600 रुपये तक है। जिस प्रकार बुक सेलर बिना टेक्स पेढ बिल देकर करोड़ो रूपये की किताबो से लाखो रुपये की जीएसटी की चोरी कर रहे हैं।

छह महीने में कितने प्रसव निजी, कितने सरकारी अस्पतालों में हुए मांगा रिकार्ड

-पोषण अभियान के अंतर्गत जिला पोषण समिति, जिला अभिसरण समिति की बैठक हुई संपन्न

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक हुई संपन्न। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी ने विभिन्न विभागीय कार्यों, पोषण अभियान, पोषण ट्रैकर पर फीडिंग, हॉट कुक योजना की प्रगति सहित सभी विभागीय योजनाओं का प्रगति विवरण प्रस्तुत किया। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि पोषण पुनर्वास केंद्र में गम्भीर रूप से कुपोषित बच्चों को भर्ती कराने की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने सभी परियोजना अधिकारियों को सचेत करते हुए लक्ष्य के सापेक्ष प्रतिमाह बच्चे एनआरसी में भर्ती कराएं अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यदि भर्ती बच्चा निर्धारित चौदह दिवस तक एनआरसी में नहीं रुकता है, तो संबंधित परियोजना अधिकारी उसके बदले में दूसरा बच्चा भर्ती कराएंगे। आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण, पेय जल एवं शौचालय के निर्माण की प्रगति की समीक्षा में पाया गया कि वित्तीय वर्ष 2022–23 के निर्धारित लक्ष्य 57 के सापेक्ष 39 आंगनबाड़ी केंद्र पूर्ण हो गए हैं जबकि वित्तीय वर्ष 2023–24 में निर्धारित लक्ष्य 80 के सापेक्ष 49 आंगनबाड़ी केंद्र पूरे हो गए हैं। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी केंद्रों का निर्माण कार्य 30 अप्रैल 2025 तक पूरा करा लिया जाए और एक मई को सभी केन्द्रों का लोकार्पण जनप्रतिनिधियों के माध्यम से कराया जाए। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भर्ती के संबंध में प्राप्त शिकायतों और उनके संबंध में की गई कार्रवाई निस्तारण आख्या का विवरण प्रस्तुत किया। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि जिन कार्यकर्ताओं ने अभी तक योगदान नहीं किया है, उनको रजिस्टर्ड डाक से नोटिस भेजे, यदि वह योगदान नहीं करते हैं तो उनका चयन निरस्त करते हुए द्वितीय वरियता वाले अभ्यर्थी के चयन की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। बैठक में सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त (मनरेगा एवं ग्रामीण आजीविका मिशन, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

रज्जू भय्या विवि में साइबर सुरक्षा विषयक कार्यशाला का आयोजन

प्रयागराज। प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय प्रयागराज के छात्र कल्याण प्रकोष्ठ की ओर से बहुउद्देशीय सभागार में डिजिटल युग में साइबर अपराध से सुरक्षा रू एक आवश्यकता विषयक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्कृत विभाग के छात्र संदीप दुबे , आदित्यराज गिरि के वैदिक मंगलाचरण से कार्यशाला का शुभारम्भ हुआ।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.अखिलेश कुमार सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि डिजिटल सूचना की समान प्रामाणिकता की जांच कर हम साइबर ठगी से बच सकते हैं। स्वयं की सतर्कता व जागरूकता ही साइबर ठगी से बचाव है।

कार्यक्रम समन्वयक प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि तकनीकी प्रयोग के साथ साथ अपने मन को नियंत्रित करना साइबर ठगी को कम कर सकता है। पीपीटी के माध्यम से पुलिस आरक्षी अनमोल तथा पूजा ने साइबर सुरक्षा के अनेक सावधानियों से शिक्षकों, अधिकारियों, विद्यार्थियों को अवगत कराया।

उन्होंने विस्तारपूर्वक बताते हुए कहा कि गूगल से कस्टमर केयर का नम्बर कभी न निकालें। कोई भी ओटीपी आने पर उसको सावधानी पूर्वक पढ़ना है, बताना नहीं है। सरकारी योजना के नाम पर प्राप्त प्रलोभनों से बचना चाहिए। ओरिजनल जाब लेटर में कभी पैसे की मांग नहीं होती इसलिए फर्जी जाब पत्र के नाम पर पैसे के लेन देन से बचना चाहिए। मुख्य कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त ने कहा कि साइबर अपराध के अनेक रुप हैं इनको पहचानना आवश्यक है। पुलिस उपनिरीक्षक प्रयागराज श्री विनोद एवं श्री घनश्याम ने सुरक्षा के अनेक उपायों की जानकारी दी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनीता यादव, वित्ताधिकारी श्री शशि भूषण सिंह तोमर ने भी संबोधित किया। संयोजक डॉ. उत्कर्ष उपाध्याय ने विषय प्रवर्तन तथा डॉ. गरिमा सिंह ने संचालन किया। डॉ. प्रदीप त्रिपाठी ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर विश्वविद्यालय के डीन प्रो. विवेक कुमार सिंह, प्रो. अर्चना चन्द्रा, प्रो. आर के चौबे, प्रो. एन. बी. सिंह, डॉ. गीतांजलि श्रीवास्तव, डॉ. श्वेता श्रीवास्तव, डॉ. अतुल वर्मा, डॉ. प्रियंका सक्सेना, डॉ. श्वेता कुमारी, डॉ. कविता गौतम, डॉ. अलका प्रकाश, डॉ. युवराज सिंह, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. मनोज वर्मा, डॉ. प्रशान्त सिंह, डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, डॉ. पीयूष मिश्र, डॉ. प्रिया झा इत्यादि शिक्षकगणों सहित प्रशासनिक अधिकारियों तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। अन्त में राष्ट्रगान के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

मथुरा में देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार कटिबद्धः जयवीर सिंह

मथुरा में श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बुनियादी सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए 21821 लाख की परियोजनायें स्वीकृत

मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 के अंतर्गत 21821 लाख रुपये की 12 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए राज्य सरकार अवस्थापना सुविधाओं को और बेहतर करने का निर्णय लिया है। ये परियोजनाएं राज्य सेक्टर एवं तीर्थविकास परिषद के अंतर्गत आती हैं। पर्यटन विभाग मथुरा की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्ता को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न निर्माण कार्य तथा प्रमुख स्थलों के पर्यटन विकास का कार्य करा रही है। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं में प्राचीन शिव मंदिर फरह मथुरा के पर्यटन विकास के लिए 678.8 लाख रुपये, गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर फसाड इम्प्रूवमेंट–साइनेज के लिए 2099 लाख रुपये, यमुना नदी के घाटों के विकास के लिए 4366 लाख रुपये, तहसील सदर के अन्दर ग्राम जचौंदा में विकास कार्यों के लिए 1833

लाख रुपये तथा वृंदावन परिक्रमा मार्ग के अवशेष भाग एवं अन्य प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा आदि के लिए 2201 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। जयवीर सिंह ने बताया कि पूरन प्रकाश विधायक बलदेव विधानसभा क्षेत्र के प्रस्ताव पर यमुना घाट, अक्रूर घाट, देवरहा बाबा घाट, केसी घाट, माटरोड घाट, जुगलकिशोर घाट पर क्रूज टूरिज्म सर्विस के अंतर्गत वृन्दावन से मथुरा तक तटवर्ती सुविधाओं के विकास कार्य के लिए 673.4 लाख रूपये, वृन्दावन में टूरिस्ट सुविधा के लिए मल्टीलेबल कार पार्किंग का विकास कार्य हेतु 3553 लाख रूपये, इसका प्रस्ताव सांसद हेमामालिनी द्वारा किया गया था। बरसाना स्थित रॉकोली, रोपानी गांव में पहाड़ी पर फेसिंग कार्य के लिए 211.3 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। इसका प्रस्ताव ओम प्रकाश सिंह विधान परिषद सदस्य द्वारा किया गया था। श्री जयवीर सिंह ने बताया कि मथुरा के सांसद हेमामालिनी के प्रस्ताव पर बरसाना स्थित राधा बिहारी इंटरकालेज टूरिस्ट फैसीलिटेशन सेंटर की परियोजना हेतु 1773. 4 लाख रूपये, तेजबीर सिंह सांसद सदस्य राज्यसभा व श्रीकांत शर्मा विधायक के प्रस्ताव पर वृन्दावन स्थित टूरिस्ट फैसीलिटेशन सेंटर बिल्डिंग के विस्तार कार्य हेतु 3359 लाख रूपये, तेजवीर सिंह सांसद सदस्य राज्यभा के प्रस्ताव पर देशी प्रजातियों के वृक्षारोपण हेतु 600 लाख रूपये तथा मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के अंतर्गत उपाध्यक्ष मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण मथुरा के प्रस्ताव पर वृन्दावन व बरसाना के प्रमुख मार्गों पर लाइटिंग हेतु 476.4 लाख रूपये की स्वीकृत प्रदान की गयी है। इन सभी कार्यों के शासनादेश जारी कर दिये गये हैं।

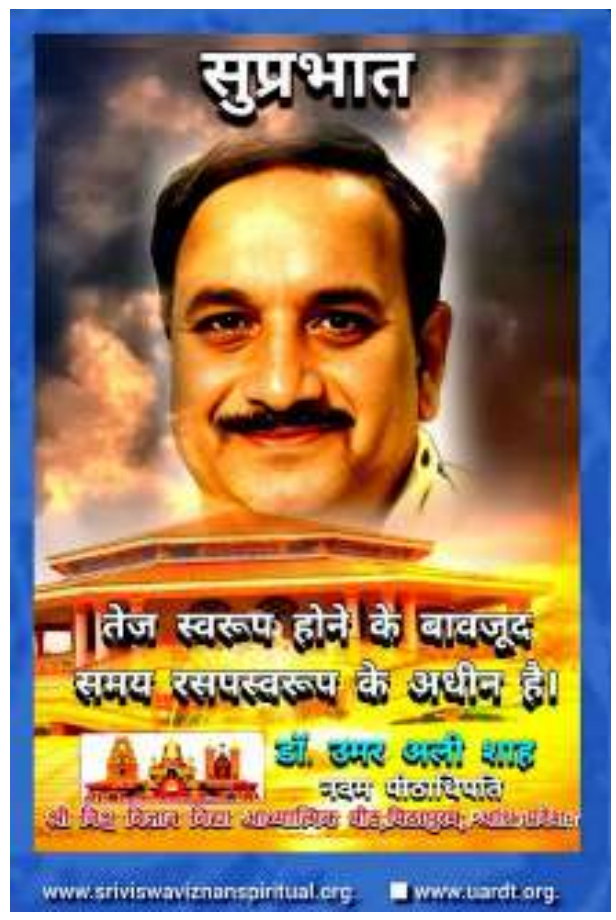

फूल हो गये खार

(कुण्डलिया)

विज्ञापन न्यौता हुए, रिश्ते सब व्यापार।
उपवन बौने हो गए, फूल हो गये खार।
फूल हो गये खार,जमाना ऐसा आया।
बरगद हुए उदास, पथिक ढूँढे अब छाया।
सबकुछ देख प्रदीप, कहें देखो अध्यापन।
मोबाइल पर क्लास, साथ में है विज्ञापन। ।

वृद्धाश्रम की कल्पना,विकसित सभ्य समाज।
नए आधुनिक दौर का,बदला हुआ मिजाज।
बदला हुआ मिजाज, कौन है दोषी इसका।
कमतर हुई मिठास, दोष है इनका–उनका।
सुन लो कहें प्रदीप, टूटते गृहस्थ–आश्रम।
कोठी हुई उदास, देख रौनक वृद्धाश्रम। ।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

न्यायालय द्वारा विधिक साक्षरता हेतु छात्राओं को किया जागरूक

मुजफ्फरनगर। मान्य जनपद न्यायाधीश डॉ अजय कुमार के निर्देशन में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन सनातन धर्म कन्या इंटर कॉलेज झांसी की रानी मुजफ्फरनगर में आयोजित किया गया सर्वप्रथम कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अपर जनपद न्यायाधीश सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रीतिश सचदेवा एवं विशिष्ट अतिथि अध्यक्ष बाल कल्याण समिति रीना पवार एवं थाना प्रभारी थाना ए एच टी मुजफ्फरनगर सर्वेश कुमार एवं वरिष्ठ समाजसेवी विकास पवार का विद्यालय प्रधानाचार्य द्वारा अंग वस्त्र एवं वेज लगाकर सम्मान किया और आए हुए अतिथि का स्वागत किया मुख्य अतिथि ने छात्राओं को विधिक जानकारी

देते हुए उनके अधिकार एवं कर्तव्य के बारे में जागरूक किया एवं उनके माता–पिता के किसी भी प्रकार के विवाद न्यायालय में प्रचलित है लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित करने को जागरूक किया मान्य न्यायालय द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में कोई व्यक्ति जिसकी वार्षिक आय तीन लाख से कम है विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा ऐसे व्यक्ति को अपने विवाद के लिए निशुल्क अधिवक्ता विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से मिलता है आगामी 10 में को लगने वाली लोक अदालत के बारे में विस्तार से बताया थाना प्रभारी सर्वेश कुमार ने मिशन शक्ति के तहत नारी शक्ति नारी सम्मान नारी स्वावलंबन विषय पर चर्चा करते हुए सरकार द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर महिला हेल्पलाइन 1090 पुलिस प्रशासन 112 चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 आदि के बारे में जागरूक किया विशिष्ट अतिथि रीना पवार ने बालिकाओं को यौन उत्पीड़न एवं बाल संरक्षण आदि विषय पर विस्तार से जागरूक किया एवं बालिकाओं को कहा चुप्पी तोड़ो खुलकर बोलो किसी भी अपराध को खत्म करने के लिए समाज में जागरूक होना बहुत आवश्यक है वरिष्ठ समाजसे वे विकास पवार ने बालिकाओं को प्रेरणा स्वरूप अनेक उदाहरण देकर जागरूक किया एवं सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया कार्यक्रम का संचालन परलीगल वॉलंटर गौरव मालिक ने किया एवं कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रधानाचार्य द्वारा आए हुए अतिथि का विद्यालय प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया एवं ऐसे जागरूकता कार्यक्रम विद्यालय में समय–समय पर आयोजित करने के लिए आग्रह किया कार्यक्रम को सफल बनाने में परलीगल वालंटियर धनीराम जी शिक्षक गण आदि लोग उपस्थित रहे।

मोरना शुगर मिल के प्रधान प्रबंधक अजय कुमार राय का तबादला

मोरना। दि गंगा किसान सहकारी चीनी मिल्स लिमिटेड के प्रधान प्रबंधक अजय कुमार राय का तबादला महमूदाबाद शुगर मिल में हो गया है और वहां से आए वीपी पांडेय ने गुरुवार को प्रधान प्रबंधक का चार्ज ले लिया है। प्रशासनिक अधिकारी ऋषिपाल सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल्स संघ लिमिटेड लखनऊ के प्रबंध निदेशक कुमार विनीत के आदेश पर पीसीएस अजय कुमार राय का तबादला दि गंगा किसान सहकारी चीनी

मिल्स लिमिटेड महमूदाबाद जिला सीतापुर में किया गया है और वहां के प्रधान प्रबंधक वीपी पांडेय का मोरना शुगर मिल में किया गया है। गुरुवार को शुगर मिल में पहुंचे नवागत प्रधान प्रबंधक वीपी पांडेय ने चार्ज ले लिया है। राय 25 नवंबर 2023 से मोरना प्रधान प्रबंधक की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

सम्पादकीय.....

चोकसी पर चौकसी

हाल ही में मुंबई हमले के मुख्य साजिशकर्ता तहव्वुर राणा को भारत लाने और अब बेल्जियम में सबसे बड़ी बैंकिंग धोखाधड़ी करके फरार हुए हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी के गहरे निहितार्थ हैं। इससे देश में अपराध करके भागने वालों के लिये सख्त संदेश जाएगा कि वे साफ बचकर नहीं निकल सकते। जांच एजेंसियों की सतर्कता, अधिकारियों की तत्परता और सत्ताधीशों की सजगता स्थितियां बदल सकती है। बहरहाल, चोकसी की गिरफ्तारी से यह उम्मीद जरूर जगी है कि देर–सवेर भारत लाकर उस पर मुकदमा चलाया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि साल 2018 में देश के सबसे बड़े बैंक घोटाले के जरिये चोकसी एंड पार्टी ने पूरे देश की बैंकिंग व्यवस्था को हिलाकर रख दिया था। चोकसी पर आरोप है कि उसने पंजाब नेशनल बैंक के साथ करीब तेरह हजार करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी। आरोप है कि इस धोखाधड़ी में कथित तौर पर बैंक अधिकारियों और अन्य लोगों की भी गहरे तक मिलीभगत थी। दरअसल, इस बड़े घोटाले के सार्वजनिक होने से पहले ही मेहुल चोकसी और सह–आरोपी उनका भतीजा नीरव मोदी भारत से भागने में सफल हो गए थे। नीरव को वर्ष 2019 में ब्रिटेन में गिरफ्तार कर लिया गया था। वह अभी भी वहीं हिरासत में है। लेकिन येन–केन–प्रकारेण तथा लगातार नयी दलीलें देकर अपना प्रत्यर्पण टालने में सफल रहा है। दरअसल, पश्चिमी देशों में सशक्त नागरिक व मानव अधिकारों का दुरुपयोग ये अभियुक्त अपनी खाल बचाने के लिये बखूबी करते हैं। दूसरे उनके पास घोटाले का पर्याप्त पैसा है, जिससे वे महंगी कानूनी लड़ाई के जरिये अपना बचाव करने में कामयाब होते रहे हैं। बहरहाल, भले ही चोकसी की बेल्जियम में गिरफ्तारी हो गई है,लेकिन उसकी जल्दी वापसी इतनी भी आसान नहीं है। इस मामले को देख रहे अधिकारियों को अभी लंबी कानूनी लड़ाई के लिये तैयार रहना होगा। यह तय है कि चोकसी अपनी रिहाई सुनिश्चित करने तथा अपना प्रत्यर्पण टालने के लिये कानूनी मोर्चे पर कोई कसर नहीं छोड़ने वाला है। निश्चित रूप से हमें बचाव पक्ष के वकीलों की रणनीति को लेकर कोई आश्चर्य न होगा कि चोकसी के खराब स्वास्थ्य को आधार बनाकर जमानत लेने का प्रयास किया जाए। खबरों में बताया जा रहा है कि चोकसी कैंसर का इलाज करा रहा है। वहीं दूसरी ओर देश में अपराध करके भागने वाले लोग विदेशी अदालतों में यह दलील देने से नहीं चूकते कि भारत में जेलों के हालात खराब है और वे उन स्थितियों में नहीं रह सकते। ऐसे में भारतीय जांच एजेंसियों को इस तरह के कुतर्कों का पुख्ता तरीके से मुकाबला करने के लिये पूरी तैयारी के साथ विदेशी अदालतों में अपना पक्ष सशक्त ढंग से रखना होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस प्रकरण में भारत के सबसे बड़े बैंक घोटाले की जांच दांव पर है। इसके अलावा इस मामले में भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम की प्रभावशीलता की भी कसौटी शामिल है। जिसे राजग सरकार ने वर्ष 2018 में मेहुल चोकसी व नीरव मोदी के देश से भागने के बाद लागू किया था। यह विडंबना ही कही जाएगी कि चोकसी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने तथा अधिनियम के प्रावधानों के तहत उसकी संपत्ति जब्त करने की प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पिछले सात सालों से मुंबई की एक अदालत में लंबित है। बहरहाल, देश के सबसे बड़े बैंकिंग घोटाले में चोकसी के खिलाफ कार्रवाई तेज की जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के सख्त कानूनी प्रावधानों के चलते पिछले कुछ सालों में बैंकिंग धोखाधड़ी में शामिल राशि में उल्लेखनीय कमी आई है। निस्संदेह, यह एक स्वागत योग्य पहल है, लेकिन बड़ी मछलियों पर शिकंजा कसने तथा बैंक के खाताधारकों का भरोसा हासिल करने के लिये अधिक प्रयासों की जरूरत है। ऐसे मामलों में कानूनी प्रक्रिया को फास्ट ट्रैक अदालतों के जरिये तेज करने तथा भगोड़े आर्थिक अपराधियों को कूटनीतिक प्रयासों के जरिये भारत लाने के प्रयासों को भी गति देने की जरूरत है। बैंकिंग व्यवस्था में खाताधारकों का भरोसा कायम रखने के लिये यह अपरिहार्य शर्त है।

क्या हम बहुसंख्यक तानाशाही के दौर में प्रवेश कर चुके हैं ?

डॉ. दीपक पाचपोर

बताया गया कि ये मोहतरमा दिल्ली के लक्ष्मीबाई कॉलेज की प्राचार्य प्रत्यूष वत्सला हैं। वे संस्थान परिसर में गाय पालती हैं और अभी हनुमान जयंती पर कॉलेज में सुंदरकांड का पाठ भी उन्होंने करवाया।

महज तीन साल पुरानी बात है जब बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय प्रमुख ने अपने अधीन समन्वित ग्रामीण विकास केंद्र में छात्रों को गाय के गोबर के उपले बनाने का प्रशिक्षण देने के लिये कार्यशाला आयोजित की और खुद ही उसका वीडियो वायरल किया। इससे घटना से कुछ ही दिनों पहले दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वाधिक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में से एक हंसराज कॉलेज में महर्षि दयानन्द सरस्वती के नाम पर गौ संवर्धन एवं अनुसंधान केंद्र खोलने की खबर आई थी और इससे भी कुछ बरस पहले मध्यप्रदेश में एक संघनिष्ठ कुलपति ने शहर के बाहर बनने वाले विश्वविद्यालय के नये परिसर में गौशाला स्थापित करने का निर्णय कर लिया था। उन्होंने महापरिषद और प्रबंध समिति की मंजूरी के बिना गौशाला के संचालन के लिए अखबारों में निविदा विज्ञप्ति तक जारी कर दी थी, ये बात और है कि उस फैसले पर अमल नहीं किया जा सका। ये बातें याद इसलिये आईं कि सोशल मीडिया पर फिर एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें एक महिला किसी कक्षा की दीवार पर गोबर लीप रही है। बताया गया कि ये मोहतरमा दिल्ली के लक्ष्मीबाई कॉलेज की प्राचार्य प्रत्यूष वत्सला हैं। वे संस्थान परिसर में गाय पालती हैं और अभी हनुमान जयंती पर कॉलेज में सुंदरकांड का पाठ भी उन्होंने करवाया। इतना ही नहीं, नवरात्र के दौरान वे कॉलेज में दुर्गा स्थापना भी करवाती हैं। किसी उच्च शिक्षा संस्थान में धार्मिक कर्मकांड का यह अकेला मामला नहीं है। हाल ही में उत्तर प्रदेश के एक विश्वविद्यालय में, नये विभागाध्यक्ष ने पदभार ग्रहण करने से पहले पूजा–पाठ करवाया। दूसरी तरफ तमिलनाडु के राज्यपाल ने संविधान और अपने पद की गरिमा के खिलाफ जाकर मदुरै के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्रों से जय श्रीराम का नारा लगवा दिया। इन घटनाओं के बरक्स मेरठ,भागलपुर और शिमला में जो हुआ, उसे देखा जाना चाहिये। मेरठ के चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में उर्दू विभाग द्वारा पिछले दिनों ईद मिलन समारोह आयोजित किया जाना था। इसका पता चलते ही एक छात्र नेता ने धमकी दी कि शिक्षा के मंदिर में किसी तरह के भी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया जाना चाहिये और अगर विश्वविद्यालय परिसर में ईद मिलन का कार्यक्रम आयोजित होता है तो फिर वह खुद विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर हनुमान चालीसा का पाठ करेगा। इस धमकी का नतीजा यह हुआ कि ईद मिलन का कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। भागलपुर के टीएनबी कॉलेज में शिक्षक संघ ने ईद मिलन समारोह का आयोजन किया तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने आपत्ति जताई और कहा कि नवदुर्गा के समय कॉलेज प्रशासन ने गरबा के लिये जगह नहीं दी थी, इसलिये कॉलेज में ईद मिलन भी नहीं होना चाहिये। शिमला के एक निजी स्कूल में नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के छात्रों के लिए ईद मनाने का कार्यक्रम तय किया था और इसके लिये छात्रों को कुर्ता–पायजामा, टोपी पहनकर आने और टिफिन में सेवइयां लाने को कहा गया था। स्कूल प्रशासन के इस निर्देश पर हिंदू संगठनों ने कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने इसे हिंदू संस्कृति के खिलाफ साजिश बताया और कहा कि यह भारत के संविधान के धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के विरुद्ध है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि स्कूल ने अपना निर्देश वापस नहीं लिया गया तो स्कूल का घेराव किया जायेगा और कानूनी कार्रवाई भी की जायेगी। मजबूर स्कूल प्रबंधन ने ईद मनाने का कार्यक्रम को रद्द कर दिया। हालांकि उसने साफ किया कि यह आयोजन केवल सांस्कृतिक विविधता को समझाने और छात्रों को विभिन्न त्योहारों से परिचित कराने के उद्देश्य से किया जा रहा था। क्या यह हास्यास्पद नहीं है कि किसी शैक्षणिक परिसर में पूजा–पाठ, यज्ञ–हवन होने, धार्मिक ग्रंथों का पाठ करने, दुर्गोत्सव और गणेशोत्सव मनाने जैसे क्रियाकलाप हों तब किसी को याद नहीं आता कि कोई एक नहीं, बल्कि सारे ही शिक्षा संस्थान, शिक्षा के मंदिर हैं। संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति द्वारा छात्रों से जय श्रीराम के नारे लगवाने पर किसी को धार्मिनरपेक्षता के सिद्धांत का ख्याल नहीं आता। लेकिन अगर कोई आयोजन दूसरे धर्म से जुड़ा हो और उससे सांप्रदायिक सद्भाव बढ़ता हो तो बहुसंख्यकों को तुरंत अपना धर्म खतरे में नजर आने लगता है। क्या इसके मायने ये हैं कि बहुसंख्यक मनमानी करें तो जायज है और अल्पसंख्यक अगर अपनी खुशियां भी बांटना चाहे तो बेजा हरकत! और क्या बच्चों को सर्वधर्म समभाव की सीख देना भी गुनाह हो गया है! इन सब बातों से सवाल उठता है कि हमारे देश में लोकतंत्र और धार्मिनरपेक्षता अभी भी जिंदा हैं या हम बहुसंख्यक तानाशाही के दौर में प्रवेश कर चुके हैं। अभी तक हमने दुनिया के कई मुल्कों में में और थोड़ी–बहुत अपने यहां भी, सत्ता की तानाशाही देखी है लेकिन अब समाज में इस प्रवृत्ति को पनपते देखना दुखद है।

अपनी बेअदबी आमंत्रित करने वाले मोदी पहले प्रधानमंत्री

अनिल जैन

नरेंद्र मोदी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनके साथ किसी भी विपक्ष शासित राज्य के मुख्यमंत्री के रिश्ते सामान्य नहीं है। प्रधानमंत्री और विपक्षी मुख्यमंत्रियों के बीच टकराव के चलते कई बार दोनों तरफ से सामान्य शिष्टाचार भी नहीं निभाया जाता है। पिछले 10 वर्षों में ऐसे कई मौके आए हैं जब प्रधानमंत्री की ओर बुलाई गई मुख्यमंत्रियों की बैठक का विपक्षी मुख्यमंत्रियों ने बहिष्कार किया है। ऐसा भी कई बार हुआ है कि जब प्रधानमंत्री किसी विपक्ष शासित राज्य के दौरे पर गए तो वहां के मुख्यमंत्री ने उनकी अगवानी नहीं की और प्रधानमंत्री के साथ सरकारी कार्यक्रम से भी दूरी बना कर रखी। हाल ही में प्रधानमंत्री की तमिलनाडु यात्रा के दौरान भी ऐसा ही हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी महीने की 6 तारीख को तमिलनाडु के रामेश्वरम पहुंचे थे, जहां राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन न तो उनकी अगवानी करने पहुंचे और न ही उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ पम्बन रेलवे ब्रिज के उद्घाटन कार्यक्रम में शिरकत की। इसकी प्रतिक्रिया में प्रधानमंत्री ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए भाषा के सवाल पर मुख्यमंत्री स्टालिन का अशोभनीय मजाक उड़ाया, जिससे केंद्र और तमिलनाडु सरकार के बीच राष्ट्रीय शिक्षा नीति, त्रिभाषा फॉर्मूला, परिसीमन जैसे मुद्दों पर जारी टकराव नए स्तर पर पहुंच गया। मुख्यमंत्री स्टालिन के प्रधानमंत्री की अगवानी नहीं करने और उनके साथ सरकारी कार्यक्रम में शामिल नहीं होने को निश्चित ही उचित नहीं कहा जा सकता, लेकिन प्रधानमंत्री ने जो किया उसे भी सही नहीं ठहराया जाएगा। उन्होंने राज्य के लोगों की संवेदनशीलता को नजरअंदाज करते हुए भाषा के सवाल पर स्टालिन का मजाक उड़ाया। उन्होंने मुख्यमंत्री का नाम लिए बगैर उन पर निशाना साधा और कहा कि उनके पास तमिलनाडु के नेताओं के पत्र आते हैं लेकिन उन पर दस्तखत तमिल में नहीं होते हैं। मोदी ने तंज करते हुए कहा कि श्तमिल गौरवश बना रहे, इसके लिए कम से कम तमिल में दस्तखत करना तो शुरू करें। सवाल है कि क्या देश के प्रधानमंत्री को ऐसी बातें करनी शोभा देती हैं? वे खुद भाषाई आधार पर बने एक राज्य से आते हैं लेकिन क्या गुजरात का मुख्यमंत्री रहते हुए गुजराती भाषा का गौरव बढ़ाने के लिए उन्होंने कभी गुजराती में दस्तखत किए? प्रधानमंत्री ने स्टालिन को चिढ़ाने के लिए उन्हें मेडिकल की पढ़ाई तमिल में कराने की कटाक्ष भरी नसीहत भी दी। सवाल है कि सारे देश में हिंदी को प्रमुखता दिलाने में लगी मोदी सरकार मेडिकल और इंजीनियरिंग का एक भी बैच हिंदी में पढ़ाकर निकाल सकती है? बहरहाल, यह पहला मौका नहीं था जब प्रधानमंत्री किसी विपक्ष शासित राज्य के दौरे पर गए और वहां के मुख्यमंत्री ने उनकी अगवानी नहीं की या उनके सरकारी कार्यक्रम से अपने को दूर रखा। हाल के वर्षों में ऐसे कई मौके आए हैं। साल 2022 में तेलंगाना में दो बार ऐसा हुआ जब प्रधानमंत्री के दौरे से तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने अपने को दूर रखा। उसी साल प्रधानमंत्री दो बार महाराष्ट्र के दौरे पर गए लेकिन तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने उनकी अगवानी नहीं की। उसी साल की शुरुआत में प्रधानमंत्री पंजाब के बठिंडा पहुंचे थे तो वहां भी उनकी अगवानी के लिए सूबे के तत्कालीन मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी मौजूद नहीं थे। उससे पहले पश्चिम बंगाल में भी ऐसा ही हुआ था, जब प्रधानमंत्री चक्रवाती तूफान का जायजा लेने बंगाल पहुंचे थे तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उनके साथ समीक्षा बैठक में शामिल नहीं हुई थीं। मोदी से उनके संबंधों की यह तल्खी साल 2002 में नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 125वीं जयंती के मौके पर कोलकाता में आयोजित कार्यक्रम में भी देखी गई थी। ममता बनर्जी के भाषण के दौरान प्रधानमंत्री की मौजूदगी में श्जय श्रीरामश के नारे लगे थे, जिससे नाराज होकर वे अपना भाषण पूरा किए बगैर ही कार्यक्रम छोड़ कर चली गई थीं। इसी तरह 2021 में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान प्रधानमंत्री ने कई मुख्यमंत्रियों को फोन किया था। उसी सिलसिले में उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी टेलीफोन किया था तो उसके बाद मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा था कि प्रधानमंत्री सिर्फ अपने मन की बात करते हैं, बेहतर होता कि वे काम की बात करते और काम की बात सुनते। यही शिकायत करते हुए छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी कहा था कि प्रधानमंत्री के साथ मुख्यमंत्रियों की जो बैठकें होती हैं, उनमें सिर्फ वन–वे होता है। प्रधानमंत्री सिर्फ अपनी बात कहते हैं, मुख्यमंत्रियों की बात का कोई जवाब नहीं मिलता। इन सब वाकयों के और पीछे जाएं तो साल 2015 में दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तो प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री को श्कायरश और श्मनोरोगीश तक कह दिया था। ये कुछ प्रतिनिधि घटनाएं हैं जिनसे प्रधानमंत्री पद की प्रतिष्ठा और सामान्य राजनीतिक शिष्टाचार को लेकर कुछ गंभीर सवाल खड़े होते हैं। सवाल है कि आखिर पिछले दस सालों में ऐसा क्या हुआ है कि पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण चारों दिशाओं में विपक्ष शासित राज्यों के मुख्यमंत्री देश के प्रधानमंत्री के प्रति ऐसी उपेक्षा या बेअदबी भरा बर्ताव करते आ रहे हैं? केंद्र और राज्यों में अलग–अलग दलों की सरकारें पहले भी रही हैं, लेकिन किसी प्रधानमंत्री के साथ ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। तो सवाल यह उठता है कि अभी जो हो रहा है, क्या उसे भाजपा विरोधी पार्टियों की राजनीतिक असहिष्णुता या दुराग्रह मानकर खारिज किया जा सकता है या इसके कुछ गंभीर कारण हैं, जिनकी पड़ताल और निराकरण होना चाहिए? असल में प्रधानमंत्री के प्रति देश के अलग–अलग राज्यों में उभर रही इस किस्म की प्रवृत्ति को गंभीरता से समझने की जरूरत है। सबसे पहले इस तथ्य को रेखांकित करने की जरूरत है कि प्रधानमंत्री के प्रति बेअदबी की लगभग सारी घटनाएं मोदी के साथ ही हुई हैं। उससे पहले राजनीतिक विरोध के बावजूद सामान्य शिष्टाचार था और उसका सार्वजनिक प्रदर्शन भी होता था। हालांकि बेअदबी के बीज पड़ने शुरू हो गए थे, जो नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद फल के रूप में दिखने लगे। विरोधी दलों और उनके नेताओं के प्रति प्रधानमंत्री मोदी की अपमानजनक बातें शुरू में जरूर अटपटी लगी थीं। चूंकि भाजपा और मोदी ने काफी बड़ी जीत हासिल की थी, इसलिए विपक्षी नेताओं ने यह सोचकर बर्दाश्त किया कि जीत की खुमारी उतर जाने पर प्रधानमंत्री राजनीतिक विमर्श में सामान्य राजनीतिक शिष्टाचार और भाषायी शालीनता का पालन करने लगेंगे, लेकिन जब ऐसा नहीं हुआ और लगने लगा कि यही मोदी की स्वाभाविक राजनीतिक शैली है और वे बदलने वाले नहीं हैं, तब विपक्षी नेताओं के सब्र का बांध टूटा और उसमें राजनीतिक शालीनता और मर्यादा बहती गई। देश में शायद ही कोई ऐसा विपक्षी मुख्यमंत्री या नेता होगा, जिसके लिए प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक रूप से अपमानजनक बातें या गाली–गलौज नहीं की होगी। मोदी उन्हें चोर, भ्रष्ट, परिवारवादी, लुटेरा, नक्सली, आतंकवादियों का समर्थक और देशद्रोही तक करार देने में संकोच नहीं करते हैं। इस सिलसिले में वे दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्रियों और विपक्ष की महिला नेताओं को भी नहीं बख्शते और उनके लिए बेहद अभद्र शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। मोदी ने यह सिलसिला सिर्फ चुनावी सभाओं तक ही सीमित नहीं रखा है, बल्कि संसद में, संसद के बाहर विभिन्न मंचों पर और विदेशों में भी वे विपक्षी नेताओं पर निजी हमले करने से नहीं चूकते। फिर विपक्ष शासित राज्यों के प्रति उनकी सरकार के भेदभावपूर्ण व्यवहार और राज्यपालों की बेजा हरकतों ने भी केंद्र और राज्यों के बीच खटास पैदा की है। केंद्र सरकार की मनमानियों और विपक्षी नेताओं के प्रति अपमानजनक बर्ताव का नतीजा है कि आज केंद्र–राज्य संबंध किसी भी समय के मुकाबले सबसे बदतर स्थिति में हैं। प्रधानमंत्री ने तमाम विपक्षी दलों को अपने और देश के दुश्मन के तौर पर प्रचारित कर उन्हें खत्म करने का खुला ऐलान किया है। वे हर जगह डबल इंजन की सरकार का ऐसा प्रचार करते हैं, जैसे विपक्ष की सारी सरकारें जनविरोधी, देश विरोधी और विकास विरोधी है। प्रधानमंत्री की इस राजनीति ने विपक्षी पार्टियों को सोचने के लिए मजबूर किया। इसलिए आज अगर प्रधानमंत्री पद की गरिमा पैंदे में बैठ रही है और उनकी बेअदबी हो रही है तो इसके लिए प्रधानमंत्री का अंदाज–ए–हुकूमत और अंदाज–ए–सियासत ही जिम्मेदार है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

समय से पहले आई खूबसूरती से क्यों भयभीत हैं पहाड़ के लोग

संजीव शर्मा

हिमाचल प्रदेश या पूरे हिमालय क्षेत्र में सौंदर्य के प्रतीक से इन दिनों क्यों भयभीत है लोग? क्यों उन्हें यह सुंदरता रास नहीं आ रही? खूबसूरती से क्यों नाखुश है पर्वतीय इलाकों के रहवासी और प्राकृतिक सौंदर्य के उपासक क्यों नहीं चाहते असमय प्रकृति की नेमत? ये ऐसे कुछ सवाल हैं जिनके जवाब हमें केवल पर्वतीय इलाकों के जानकार ही दे सकते हैं। आखिर, कोई तो बात होगी जिसके फलस्वरूप यहां के लोगों को प्राकृतिक सुंदरता रास नहीं आ रही? हम बात कर रहे हैं कि पर्वतीय राज्यों के एक सुंदर वरदान की जिसका नाम है – बुरांश। बुरांश का पेड़ और इसके फूल हिमाचल सहित देश के तमाम पर्वतीय राज्यों के सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और प्राकृतिक संस्कारों से जुड़े हैं। बुरांश न केवल खूबसूरत है बल्कि सेहत की अनेक नेमतों से परिपूर्ण भी है। यह अर्थव्यवस्था का भी एक अनिवार्य हिस्सा है। बुरांश के महत्व को इस बात से समझा जा सकता है कि आईआईटी मंडी और इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नालॉजी (आईसीजीईबी) के शोधकर्ताओं ने बुरांश की पंखुड़ियों में मौजूद फाइटोकेमिकल्स की पहचान की है जो कोविड–19 वायरस को रोक सकते हैं। एक अध्ययन में पाया गया है कि बुरांश के फूल में एंटीवायरल के गुण होते हैं, जो सार्स–सीओवी 2 से संक्रमित कोशिकाओं के इलाज में मदद कर सकते हैं। कुछ शोधों में यह भी पाया गया है कि बुरांश के रस का सेवन दिल और लिवर के लिए फायदेमंद हो सकता है। लेकिन हिमालय को मिला प्रकृति का यही उपहार यहां खतरे का संकेत दे रहा है। पिछले कुछ सालों से यह फूल समय से पहले खिलने लगा है और यही पर्वतीय लोगों के साथ–साथ वैज्ञानिकों के लिए भी चिंता का सबब है। बुरांश का समय से पहले खिलना बर्फबारी कम होने का संकेत है और कम वर्षा का भी। शिमला या इस जैसे तमाम पर्यटन स्थलों का सौंदर्य और आर्थिक प्रगति वहां होने वाले हिमपात पर निर्भर है। बीते कुछ सालों में न केवल शिमला सहित अधिकतर पर्वतीय इलाकों की सर्दी कम हुई है बल्कि बर्फबारी के दिन भी कम होते जा रहे हैं। पहले शिमला शहर में ही जमकर बर्फ गिरती थी लेकिन अब बर्फबारी कुफरी, ठियोग और नारकंडा की ओर खिसकते जा रही है। इससे पर्यटन पर भी असर पड़ रहा है। इस समस्या को विकराल बनाने में पहाड़ों का सीना चीरकर दौड़ रहे हजारों वाहनों ने भी अहम भूमिका निभाई है। इस सबसे, मौसम बदल रहा है और इसलिए बुरांश भी समय से पहले खिलने लगा है। डाउन टू अर्थ पत्रिका में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक तापमान, वर्षा और बफर्बारी में आए बदलावों के प्रति बुरांश की संवेदनशीलता और प्रतिक्रियाओं ने चिंता बढ़ा दी है। फूलों के खिलने के समय में बदलाव के लिए काफी हद तक बढ़ते हुए वैश्विक तापमान को जिम्मेदार माना जा रहा है। इसके फलस्वरूप बदल रहे मौसम के तेवरों का नुकसान बुरांश के फूलों को उठाना पड़ रहा है। मसलन बारिश की कमी के कारण इनमें रसीलेपन का अभाव हो जाता है। बुरांश के फूलों के फूलने की प्रक्रिया को समझे तो सामान्य रूप से जनवरी से फरवरी माह में वे कलियों के रूप में रहते हैं। चूंकि उस समय तापमान बहुत कम होता है और बहुत कम तापमान में कलियां खराब न हो जाए, इसके लिए प्राकृतिक तौर पर पंखुड़ियां सुरक्षा घेरे के रूप में कलियों को बाहर से ढंके रहती हैं। वे तभी हटती हैं, जब तापमान 20 से 25 डिग्री पर पहुंच जाता है। अनुकूल तापमान पाकर पेड़ का आंतरिक सूचना तंत्र (डीएनए) कोशिकाओं को संकेत भेजता है और फूलों के फूलने की प्रक्रिया के लिए हार्मोन्स सक्रिय हो जाते हैं। यदि समय से पहले ही तापमान अधिक हो जाता है तो फूल के विकास पर असर पड़ता है और उसके रंग–रूप से लेकर आर्थिक और स्वास्थ्यप्रद गुणों पर भी असर पड़ता है। इसके अलावा, अगर ये फूल समय से पहले यानी सर्दियों के अंत में ही खिलने लगते हैं तो उस समय मधुमक्खियां या परागण करने वाले कीड़े सक्रिय नहीं होते इसलिए परागण पूरी तरह नहीं हो पाता, जिससे पौधों के बीज या फल विकसित नहीं हो पाते। तापमान में उतार–चढ़ाव से पहले से खिले फूल मुरझा जाते हैं या मर जाते हैं। बुरांश के फूलों के जल्दी खिलने का असर पारिस्थितिकी तंत्र पर भी पड़ता है। दरअसल, बुरांश के फूलों पर कई पक्षी, कीड़े और अन्य जीव आश्रित होते हैं। यदि फूल समय से पहले या अनियमित रूप से खिलते हैं, तो यह खाद्य श्रृंखला गड़बड़ा जाती है। बुरांश के फूलों का उपयोग रस और शरबत आदि बनाने में होता है। अनियमित फूलों की वजह से इनमें रस कम बनता है और किसानों और स्थानीय लोगों की कमाई भी प्रभावित होती है। यही लोगों की चिंता का कारण है। अब अगर पहाड़ों का सौंदर्य,तापमान, वर्षीय,बर्फ,बुरांश और प्राकृतिक चक्र बनाए रखना है तो प्रकृति का संरक्षण करना होगा, अंधाधुंध फैलते कांक्रीट के जंगल की रफ्तार थामनी होगी और पहाड़ों को रौंदती मोटर गाड़ियों की संख्या को नियंत्रित करना होगा वरना पहाड़ और मैदान में कोई अंतर नहीं रह जाएगा।

अर्जुन कपूर ने बताया, मेरा पहला प्यार फिल्म निर्माण था

> अर्जुन कपूर ने बताया कि उनका पहला प्यार फिल्म निर्माण था। अभिनेता ने हाल ही में फिल्म निर्माण के प्रति अपने शुरुआती जुनून के बारे में बताया, उन्होंने बताया कि कैसे अभिनय के उनके जीवन के केंद्र में आने से पहले कहानी सुनाना और निर्देशन उनका पहला प्यार था। अर्जुन ने बताया, यह सिनेमा की जादुई चाल है जो मुझे आकर्षित करती है। हर चीज तार्किक नहीं होना चाहिए।

तेवर, सिंघम अगेन जैसी फिल्म में शानदार काम कर दर्शकों के पसंदीदा अभिनेता बने अभिनेता अर्जुन कपूर ने बताया कि एक्टिंग से पहले उनका सपना फिल्म मेकिंग का था। अर्जुन कपूर ने बताया कि उनका पहला प्यार फिल्म निर्माण था। अभिनेता ने हाल ही में फिल्म निर्माण के प्रति अपने शुरुआती जुनून के बारे में बताया, उन्होंने बताया कि कैसे अभिनय के उनके जीवन के केंद्र में आने से पहले कहानी सुनाना और निर्देशन उनका पहला प्यार था। अर्जुन ने बताया, यह सिनेमा की जादुई चाल है जो मुझे आकर्षित करती है। हर चीज तार्किक नहीं होना चाहिए। वास्तव में विश्वास ही भ्रम को बेचता है। मुझे कोरियाई और यूरोपीय फिल्में देखना बहुत पसंद है। मैं एक फिल्म निर्माता बनना चाहता था। उस समय आरकेआरसीकेआर सबसे महंगी फिल्म थी। मैं इससे मोहित हो गया था और फिल्में बनाना चाहता था। मैं जानना चाहता हूं कि फिल्म कैसे बनती है और यह प्रक्रिया मुझे खुशी देती है। अभिनेता ने यह भी बताया कि अपने पिता और फिल्म निर्माता बोनी कपूर को श्रूप की रानी चोरों का राजाश के विजन को देखकर उनके मन में फिल्म को लेकर और उत्सुकता बढ़ गई थी। अभिनेता वर्तमान में एडी रेडमैन स्टारर द डे ऑफ द जैकल देखने में व्यस्त हैं। उन्होंने टॉप गन फ्रेंचाइजी के बारे में भी अपने विचार साझा किए। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें कौन सी फिल्म पसंद है, तो अर्जुन ने कहा, टोनी स्कॉट की फिल्म ओजी है। मुझे उनकी फिल्में पसंद हैं। फिर डेविड फिंचर की फिल्में सेवन और फाइट क्लब जैसी फिल्में भी हैं। अभिनेता ने आधुनिक फिल्म ट्रेलर्स पर निराशा व्यक्त की, क्योंकि वे कहानी का बहुत अधिक हिस्सा इसमें बता देते हैं। इसके साथ ही उन्होंने 'पद्मावत', 'एनिमल' और 'बाजीराव मस्तानी' के टीजर में बनाए गए रहस्य की सराहना की। कपूर ने कहा, एनिमल का टीजर और ट्रेलर बहुत बढ़िया था! पद्मावत का ट्रेलर बहुत खूबसूरत था। आप केवल खूबसूरत शॉट्स ही देख सकते हैं। यहां तक कि बाजीराव मस्तानी का ट्रेलर भी बेहतरीन था। वर्कफ्रंट की बात करें तो अर्जुन कपूर पिछली बार मेरे हसबैंड की बीवी में रकुल प्रीत सिंह और भूमि पेडनेकर के साथ नजर आए थे।

बेटी दुआ के साथ नए आलीशान घर में नई शुरुआत करेंगे दीपिका–रणवीर, सामने आई आशियाने की पहली झलक

बॉलीवुड के सबसे चर्चित और पसंदीदा जोड़ों में से एक दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने इन दिनों अपनी जिंदगी का सबसे खूबसूरत फेज एंजॉय कर रहे हैं। यह कपल 8 सितंबर 2024 को एक प्यारी सी बेटी दुआ के माता–पिता बने थे, जिसे पाकर दोनों की खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा। वहीं, अपनी लाडली के स्वागत के लिए रणवीर और दीपिका ने मुंबई के पॉश इलाके में एक बेहद आलीशान क्वाड्रुप्लेक्स अपार्टमेंट खरीदा है, जो शाहरुख खान के बंगले श्मन्नतश के बिल्कुल पास स्थित है। इस अपार्टमेंट की अब एक खूबसूरत झलक भी सामने आई है। बेटी के लिए खरीदे गए दीपिका–रणवीर के इस अपार्टमेंट की खासियत यह है कि यह एक ही इमारत की 16वीं से लेकर 19वीं मंजिल तक फैला हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस शानदार अपार्टमेंट की कीमत 100 करोड़ रुपए से भी अधिक बताई जा रही है। इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि घर से समुद्र का शानदार दृश्य साफ दिखाई दे। हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें इस इमारत की झलक दिखाई गई है कृ जिसमें चार फ्लोर एकसाथ जुड़े हुए नजर आते हैं।बता दें, मातृत्व के इस नए सफर से पहले दीपिका पादुकोण को आखिरी बार रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' में देखा गया था, जिसमें उन्होंने डीसीपी शक्ति शेट्टी का दमदार किरदार निभाया था। मां बनने के बाद दीपिका ने अब तक अपने अगले प्रोजेक्ट की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। वहीं रणवीर सिंह इस समय आदित्य धर की अपकमिंग फिल्म 'धुरंधर' की शूटिंग में जुटे हैं, जिसमें उनके साथ संजय दत्त, आर. माधवन, अक्षय खन्ना और यामी गौतम भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके अलावा वह जल्द ही फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'डॉन 3', पॉपुलर सुपरहीरो प्रोजेक्ट 'शक्तिमान', और संजय लीला भंसाली की मेगा फिल्म 'बैजू बावरा' में भी दिखाई देंगे।

मैं डर गया था..., महज 14 की उम्र में इस एक्टर संग हुआ था शारीरिक शोषण

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की चकाचौंध भरी दुनिया के पीछे कई बार ऐसे अनुभव छिपे होते हैं जिनके बारे में सितारे खुलकर बात नहीं कर पाते। लेकिन समय के साथ अब कई कलाकार अपने पुराने दर्दनाक अनुभवों को साझा कर रहे हैं। हाल ही में मशहूर टीवी एक्टर आमिर अली ने अपने साथ बचपन में हुई एक शर्मनाक घटना का खुलासा किया है। आमिर अली ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि जब वे सिर्फ 14 साल के थे, तब ट्रेन में सफर करते वक्त किसी ने उन्हें गलत तरीके से छुआ। इस घटना से वह इतने डर गए कि उन्होंने ट्रेन में सफर करना ही बंद कर दिया। आमिर ने कहा, श्जब आप छोटे होते हैं, तो कुछ चीजें समझ में नहीं आतीं। मैंने पहली बार ट्रेन में अकेले सफर किया था और उस दौरान मुझे बहुत गलत तरीके से छुआ गया। मुझे अजीब लगा और बहुत डर भी लगा। फिर मैंने अपना बैग हमेशा अपनी पीठ के पास रखना शुरू कर दिया ताकि कोई पीछे से छू न सके। आमिर ने आगे बताया कि एक बार ट्रेन में उनके बैग से कोई किताबें चुरा कर ले गया, जिससे वह और भी ज्यादा असहज हो गए। उन्होंने कहा, मैं सोचने लगा कि किताबें कौन चुराता है? उस दिन के बाद मैंने तय कर लिया कि मैं ट्रेन में यात्रा नहीं करूंगा। यह मेरे लिए बहुत डरावना अनुभव था। हालांकि, आमिर अली ने ये भी बताया कि समय के साथ उन्होंने चीजों को समझना और माफ करना सीखा। उन्होंने कहा, श्मेरे कुछ दोस्त थे, जो किसी आदमी के लिए फीलिंग्स रखते थे। मैं उन्हें बहुत अच्छे से जानता था। मैं उनके साथ एक ही बिस्तर पर सो सकता था। जब वे सामने आए, तो मैंने महसूस किया कि कुछ गलत अनुभवों की वजह से मैं पूरी दुनिया को जज नहीं कर सकता। उन्होंने आगे कहा कि जब इंसान मैच्योर होता है, तो उसकी सोच बदलती है और वह चीजों को एक अलग नजरिए से देखने लगता है। आमिर अली की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने साल 2012 में एक्ट्रेस संजीदा शेख से शादी की थी। दोनों की एक बेटी आयरा है। हालांकि, शादी के 9 साल बाद दोनों का तलाक हो गया। अब आमिर की लाइफ में एक बार फिर प्यार ने दस्तक दी है। हाल ही में एक इंटरव्यू में आमिर अली ने बताया कि वह किसी को डेट कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह एक्ट्रेस अंकिता कुकरेती के साथ रिलेशनशिप में हैं। आमिर अली का ये खुलासा कई लोगों को सोचने पर मजबूर करता है कि शारीरिक शोषण सिर्फ महिलाओं के साथ ही नहीं, बल्कि पुरुषों के साथ भी होता है। उनके इस साहसिक कदम की सराहना होनी चाहिए, क्योंकि इससे कई और लोग भी अपनी आपबीती साझा करने की हिम्मत जुटा सकते हैं।

धर्मेंद्र और सनी देओल के बाद हेमा मालिनी फिल्मों में वापसी करेंगी? सुपरस्टार एक्ट्रेस ने तोड़ी अपनी चुप्पी

2023 में सनी देओल ने फिल्म गदर 2 के साथ वापसी की। यह बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ी सफलता साबित हुई और सनी के अभिनय करियर को पुनर्जीवित किया। उसी वर्ष, धर्मेंद्र ने रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में अभिनय किया और कलाकारों की टोली के बीच लाइमलाइट बटोरी। 2023 के अंत में, बॉबी देओल ने एनिमल के साथ वापसी की और फिर से स्क्रीन पर अपनी योग्यता साबित की। इस साल की शुरुआत में, ईशा देओल ने फिल्म तुमको मेरी कसम के साथ सिल्वर स्क्रीन पर अपनी बहुप्रतीक्षित वापसी की। जैसा कि देओल सिनेमाघरों में छाए हुए हैं।

क्या हेमा मालिनी भी जल्द ही वापसी करेंगी?

क्या ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी और फिल्मों के लिए स्क्रीन पर वापस आएंगी? दिग्गज अभिनेता से हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में एक पपराज़ो द्वारा पूछा गया कि क्या वह फिल्मों में वापसी करने में रुचि रखती हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि आज जिस तरह की फिल्में बन रही हैं, उनमें वह फिट बैठेंगी या नहीं।

हेमा मालिनी ने क्या कहा?

पापराज़ो अकाउंट द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में, हेमा से पूछा गया कि क्या वह जल्द ही कोई दूसरी फिल्म करने की योजना बना रही हैं। अभिनेत्री ने कहा, श्आजकल जो पिक्चर बनाते हैं, उनमें मैं फिट नहीं होती हूँ! मेरा फिट होने जैसा बनना पड़ेगा... अलग से।

वह कुछ ऐसा चाहती हैं जो उनके साथ प्रतिध्वनित हो

बेटी ईशा देओल ने भी हेमा मालिनी की वापसी के विचार पर टिप्पणी की, और कहा कि क्या उन्हें सेट पर वापस आने के लिए कुछ समझाने की ज़रूरत है। मुझे लगता है कि वह कुछ ऐसा चाहती हैं जो उनके साथ प्रतिध्वनित हो।

हेमा मालिनी ने 1963 में तमिल फिल्म इधु सथियम से अपने अभिनय की शुरुआत की और फिर 1968 की फिल्म सपनों का सौदागर से हिंदी सिनेमा में प्रवेश किया। उन्होंने बॉलीवुड में बनी कुछ सबसे यादगार फिल्मों में अभिनय किया है, जिनमें शोले, सत्ते पे सत्ता, सीता और गीता, कसौटी, त्रिशूल और महबूबा शामिल हैं। हेमा को आखिरी बार शिमला मिर्ची (2020) में देखा गया था, जिसमें राजकुमार राव और रकुल प्रीत सिंह ने अभिनय किया था। यह रमेश सिप्पी द्वारा निर्देशित एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म थी। वह वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से मथुरा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए लोकसभा की सदस्य के रूप में कार्यरत हैं।

बर्थडे स्पेशल: बॉलीवुड में भी दिखी चार्ली चैपलिन की छाप

चार्ल्स स्पेंसर चौपलिन, जो सिनेमा जगत के इतिहास में चार्ली चैपलिन के नाम से लोकप्रिय हैं, उनके हर एक सीन को देखकर दर्शक मुस्कुरा देते थे। हंसने और हंसाने वाले चौपलिन को हंसी के बेताज बादशाह कहें तो ज्यादा न होगा। वह न केवल अपनी कॉमिक टाइमिंग बल्कि खास कॉस्ट्यूम के साथ गजब के हाव–भाव को लेकर भी छाए रहते थे।ब्रिटिश कलाकार की 16 अप्रैल को बर्थ एनिवर्सरी है। आइए हिंदी सिनेमा की कुछ ऐसी फिल्मों के बारे में बताते हैं, जिन पर दिखी सात समंदर पार के रहने वाले अभिनेता चार्ली चौपलिन की छाप... उनके चेहरे के हाव–भाव ऐसे थे कि उसमें शब्दों की जरूरत ही नहीं होती थी। उन्होंने लोगों के दिलों में ऐसी छाप छोड़ी, जिसे लोग कभी नहीं भूल सकते और वह अमिट हो गए। यहां तक कि बॉलीवुड में भी उनकी लोकप्रियता देखने को मिली। उनके रंग में कभी राज कपूर तो कभी श्रीदेवी रंगी दिखीं। साल 1955 में बनी भारतीय हिंदी कॉमेडी–ड्रामा 'श्री420' को भला कौन भूल सकता है। फिल्म का निर्देशन करने के साथ ही निर्माण भी राज कपूर ने ही किया था। फिल्म में राज कपूर के साथ नरगिस अहम भूमिका में हैं। फिल्म में राज कपूर ने एक गरीब लेकिन शिक्षित अनाथ युवक की भूमिका निभाई थी, जो चार्ली चौपलिन की छाया सा दिखता है। वह अपने गम को हंसी के पीछे छिपा लेता है। श्री 420 के बाद आई दूसरी फिल्म थी श्रीदेवी देवी और अनिल कपूर स्टारर सुपरहिट फिल्म 'मिस्टर इंडिया'। 1987 में आई भारतीय सुपरहीरो फिल्म का निर्देशन शेखर कपूर ने किया। निर्माता बोनी कपूर और सुरिंदर कपूर ने नरसिम्हा इंटरप्राइजेज के बैनर तले किया था। फिल्म के डायलॉग या खलनायक अमरीश पुरी के बोल, 'मोगैम्बो खुश हुआ' आज भी लोगों की जुबान पर रहते हैं। फिल्म के एक छोटे से सीन में अभिनेत्री श्रीदेवी चार्ली चौपलिन के किरदार में नजर आती हैं। उस सीन को भी दर्शकों ने काफी पसंद किया था। आधुनिक एक्टर्स पर नजर डालें तो पर्दे पर चार्ली चौपलिन के किरदार में नजर आए थे अभिनेता रणबीर कपूर। साल 2009 में रिलीज हुई रोमांटिक–कॉमेडी फिल्म 'अजब प्रेम की गजब कहानी' में अभिनेता एक छोटे से सीन के दौरान चार्ली चौपलिन बनकर दर्शकों के सामने आए थे। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी फिल्म का निर्माण रमेश तौरानी ने किया है। फिल्म में रणबीर कपूर के साथ मुख्य भूमिका में अभिनेत्री कैटरीना कैफ हैं।

ऐतिहासिक मंदिरों, खूबसूरत समुद्र तटों और सांस्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है पुरी

पुरी, भारत के ओडिशा राज्य में स्थित एक प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल है। यह स्थान खासकर अपने ऐतिहासिक मंदिरों, खूबसूरत समुद्र तटों और सांस्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है। पुरी को श्जगन्नाथ की नगरीश के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यहां स्थित जगन्नाथ मंदिर हिन्दू धर्म के प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है। पुरी न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध संस्कृति का भी संगम है।

जगन्नाथ मंदिर

पुरी का प्रमुख आकर्षण है, जगन्नाथ मंदिर। यह मंदिर भगवान श्री कृष्ण के अवतार, जगन्नाथ जी को समर्पित है। यहाँ हर साल विशाल रथ यात्रा (त्ंजी ल्ंजत) का आयोजन होता है, जिसमें लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। यह रथ यात्रा पूरे विश्व में प्रसिद्ध है और हर साल जुलाई महीने में आयोजित होती है। जगन्नाथ मंदिर का इतिहास बहुत पुराना है, और यह हिंदू धर्म के चार प्रमुख धामों (बद्रीनाथ, द्वारका, ऋषिकेश और पुरी) में से एक माना जाता है।

पुरी समुद्र तट

पुरी के समुद्र तट (च्नतप ठमंबी) को भारत के सबसे सुंदर समुद्र तटों में गिना जाता है। यहां का नीला पानी, सफेद रेत और ठंडी हवा पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है। आप यहां सूर्योदय और सूर्यास्त का अद्भुत दृश्य देख सकते हैं। समुद्र में तैरने के साथ-साथ, पर्यटक बीच पर आकर सुखद समय बिता सकते हैं और विभिन्न जल क्रीड़ाओं का आनंद ले सकते हैं।

सुन्दरगड़ और चिलिका झील

पुरी के पास स्थित सुन्दरगड़ (नकंतहींत) और चिलिका झील (बेपसपां संम) पर्यटकों के लिए एक और आकर्षण का केंद्र है। चिलिका झील एशिया की सबसे बड़ी ताजे पानी की झीलों में से एक है। यहाँ विभिन्न प्रजातियों के पक्षी रहते हैं और सर्दियों में यह एक प्रमुख पक्षी अभयारण्य बन जाता है। यहां बोटिंग का अनुभव भी बहुत रोमांचक होता है, खासकर जब आप झील के बीचो-बीच स्थित छोटे द्वीपों को देख सकते हैं।

सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर

पुरी के आसपास कई महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थल हैं, जैसे कि कोणार्क सूर्य मंदिर, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है। यह मंदिर अपनी वास्तुकला और इतिहास के लिए प्रसिद्ध है। पुरी में अन्य मंदिर जैसे कि लिंगराज मंदिर, सुभद्रा मंदिर और गुंडिचा मंदिर भी दर्शनीय हैं। इन मंदिरों का अद्भुत स्थापत्य और धार्मिक महत्व पर्यटकों को आकर्षित करता है।

स्वादिष्ट भोजन

पुरी का भोजन भी खास है। यहां के लोकल व्यंजन, खासकर समुद्री भोजन, पर्यटकों के बीच लोकप्रिय हैं। पुरी के खास पकवानों में श्चूड़ा-घांटीश, श्पानी पुरीश, श्पिठाश और श्भाजीश शामिल हैं। इसके अलावा, श्जगन्नाथ महाप्रसादश (प्रसाद) भी यहां का प्रमुख आकर्षण है, जिसे श्रद्धालु बड़े श्रद्धा भाव से ग्रहण करते हैं।

शॉपिंग और हस्तशिल्प

पुरी में शॉपिंग भी एक महत्वपूर्ण गतिविधि है। यहां के हस्तशिल्प, खासकर कटक की साड़ी, पीतल के बर्तन, और चांदी के आभूषण पर्यटकों द्वारा खरीदी जाती है। इसके अलावा, पुरी के बाजारों में लकड़ी के भगवान के छोटे-छोटे मूर्तियां और हस्तनिर्मित शिल्प कला के अन्य सामान भी मिलते हैं।

यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय

पुरी जाने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है, जब मौसम ठंडा और आरामदायक होता है। गर्मी में यहां का तापमान काफी बढ़ सकता है, जिससे यात्रा में असुविधा हो सकती है। पुरी न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह एक पर्यटन स्थल भी है, जो अपनी प्राचीन धरोहर, सांस्कृतिक महत्व, समुद्र तट, झीलों और स्वादिष्ट भोजन के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थान हर किसी के लिए कुछ न कुछ खास पेश करता है, चाहे वह धार्मिक तीर्थ यात्री हो या एक साहसी यात्री जो प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेना चाहता हो। पुरी की यात्रा निश्चित रूप से हर पर्यटक के दिल में एक अमिट छाप छोड़ जाती है।

आम को यूं ही नहीं कहते फलों का राजा, स्किन से लेकर पेट सभी को देता है फायदे ही फायदे

आम को गर्मियों फलों का राजा यूं ही नहीं कहा जाता , यह स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। स्वाद और पोषण से भरपूर आम को खाने से हमें एक नहीं कई फायदे मिलते हैं, हालांकि कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिन्हें आम के साथ या तुरंत बाद में नहीं खाना चाहिए, वरना यह पाचन, त्वचा या स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकती है। चलिए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से।

गर्मियों में आम खाने के 5 फायदे

ऊर्जा से भरपूर करता हैः गर्मियों में शरीर जल्दी थकता है। आम में प्राकृतिक शर्करा (फ्रक्टोज और ग्लूकोज) होती है, जो तुरंत ऊर्जा देती है और थकान दूर करती है।

पाचन तंत्र को मजबूत करता हैः आम में फाइबर होता है जो कब्ज की समस्या को कम करता है और पाचन क्रिया दुरुस्त करता है।

इम्यूनिटी बढ़ाता हैः आम में विटामिन सी और ।प्रचुर मात्रा में होता है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और संक्रमण से बचाता है।

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंदः आम में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स, विटामिन । और म त्वचा को ग्लोइंग बनाते हैं और बालों की जड़ों को पोषण देते हैं।

गर्मी से होने वाली बीमारियों से बचावः गर्मी में हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और शरीर में जलन जैसी समस्याएं होती हैं, लेकिन आम में मौजूद तत्व शरीर को ठंडक और तरावट देते हैं।

आम खाने के जरूरी टिप्स

आम को खाने से पहले कम से कम 30 मिनट पानी में भिगोकर रखें। इससे उसमें मौजूद अतिरिक्त गमी कम हो जाती है। आम स्वादिष्ट होता है, लेकिन एक बार में 1/2 आम ही खाएं। ज्यादा खाने से गर्मी या गैस हो सकती है। आम में नेचुरल शुगर होती है, इसलिए मधुमेह के रोगियों को डॉक्टर की सलाह लेकर ही इसे खाना चाहिए।

आम के साथ गलती से भी ना खाएं ये चीजें

कड़वे और खट्टे फल (जैसे नींबू, संतरा, अनानास)रू आम स्वभाव से गर्म और मीठा होता है, जबकि ये फल खट्टे और एसिडिक होते हैं। इन्हें साथ खाने से एसिडिटी, पेट में जलन या डाइजेशन प्रॉब्लम हो सकती है।

दहीः आम और दही दोनों अच्छे होते हैं, लेकिन साथ में लेने से यह कॉम्बिनेशन कफ और जुकाम की समस्या बढ़ा सकता है। यह इम्यून सिस्टम को भी प्रभावित कर सकता है, खासकर बच्चों और सर्दी-खांसी वाले लोगों के लिए।

मिर्च-मसालेदार खानाः आम खाने के बाद तुरंत तीखा या मिर्च वाला भोजन करने से पेट में गैस, एसिडिटी और उल्टी जैसी समस्या हो सकती है। यह त्वचा पर फोड़े-फुंसी भी पैदा कर सकता है।

शराब या कैफीन (कॉफी,कोल्ड ड्रिंक्स): आम और शराब या कैफीन एक साथ लेने से लिवर पर दबाव पड़ता है। यह मेटाबॉलिज्म को डिस्टर्ब करता है और उल्टी या भारीपन भी महसूस हो सकता है।

गर्म दूध (कच्चा दूध): आम के साथ गर्म दूध लेने से हाजमा खराब, त्वचा पर दाने, और एलर्जी हो सकती है। अगर दूध लेना ही है तो ठंडा दूध या बना हुआ मैंगो शेक ही लें।

नारियल में मिलाएं ये सफेद चीज, झाइयों पर दिखेगा फास्ट रिजल्ट

चेहरे पर झाइयां आजकल आम समस्या बन गई हैं। धूप, उम्र, हार्मोनल बदलाव और तनाव की वजह से त्वचा पर काले या भूरे धब्बे दिखने लगते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रसोई में पड़ी दो आम चीजें फिटकरी और नारियल तेल, इन झाइयों को कम करने में बेहद कारगर साबित हो सकती हैं? हाल ही में सोशल मीडिया पर एक घरेलू नुस्खा वायरल हुआ है, आइए जानते हैं इस नुस्खे के बारे में।

क्यों असरदार है फिटकरी और नारियल तेल?

फिटकरी इसमें एंटीसेप्टिक और स्किन टाइटनिंग गुण होते हैं। यह त्वचा की ऊपरी परत को साफ करता है और झाइयों को धीरे-धीरे हल्का करता है।

नारियल तेलः यह स्किन को पोषण देता है, नमी बनाए रखता है और दाग-धब्बों को हल्का करने में मदद करता है।

नुस्खा कैसे बनाएं?

सामग्रीः

1 चम्मच नारियल तेल

1 चुटकी फिटकरी (पिसी हुई)

कैसे लगाएंः

सबसे पहले फिटकरी को बारीक पीस लें।

एक चम्मच नारियल तेल में यह पिसी हुई फिटकरी मिलाएं।

अच्छे से मिक्स करके चेहरे की झाइयों वाली जगह पर हल्के हाथों से मसाज करें।

15-20 मिनट बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

आप इसे रात को सोने से पहले लगा सकते हैं। हफ्ते में 3-4 बार इस्तेमाल करने पर असर दिखने लगता है।

ध्यान रखें:

अगर पहली बार इस्तेमाल कर रहे हैं तो पहले पैच टेस्ट करें। ज्यादा मात्रा में फिटकरी न डालें, वरना त्वचा में जलन हो सकती है। धूप में निकलते समय सनस्क्रीन जरूर लगाएं।

आप भी ट्राई करिए फिटकरी और नारियल तेल का ये चमत्कारी नुस्खा और पाएं दमकती, साफ त्वचा!

फैमिली फंक्शन में पाना चाहती हैं स्टाइलिश लुक तो स्टाइल करें ये प्रिंटेड साड़ियां, वार्डरोब में जरूर करें शामिल

महिलाएं कई सारे फंक्शन में साड़ी पहनना पसंद करती हैं। साड़ी में आप न सिर्फ खूबसूरत नजर आती हैं, बल्कि इससे आपका लुक भी अट्रैक्टिव नजर आता है। हालांकि साड़ी में आपको कई सारी डिजाइन्स मिल जाएंगी, जिनको आप फंक्शन के हिसाब से स्टाइल कर सकती हैं। ऐसे में अगर आप किसी फैमिली फंक्शन में शामिल होने का प्लान कर रही हैं और बेस्ट लुक पाना चाहती हैं। तो आप कुछ साड़ियों को अपने वार्डरोब में शामिल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ साड़ी ऑप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं।

मल्टी कलर ऑर्गेंजा साड़ी

फैमिली फंक्शन में बेस्ट और स्टाइलिश लुक पाने के लिए ऑर्गेंजा साड़ी वियर कर सकती हैं। इस साड़ी में आपका लुक बेहद खूबसूरत नजर आएगा। इस साड़ी में ऑर्गेंजा फैब्रिक है, जिसको आप किसी भी फैमिली फंक्शन में स्टाइल कर सकती हैं। आप ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों ही जगहों से 1000 से 1500 तक की कीमत में खरीद सकते हैं। इस तरह की साड़ी के साथ आप पर्ल वाली ज्वेलरी के साथ फुटवियर में हील्स पहन सकती हैं।

प्रिंटेड साटन साड़ी

अगर आप लाइट कलर में साड़ी पहनने की सोच रही हैं, तो आप प्रिंटेड साटन साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। इस साड़ी को स्टाइल करके आप भीड़ से अलग नजर आएंगी। इस साड़ी में आपको कई कलर ऑप्शन मिल जाएंगी। इसको आप स्लीवलेस ब्लाउज के साथ कैरी कर सकती हैं। आप इसके साथ मिरर वर्क वाली ज्वेलरी स्टाइल कर सकती हैं। वहीं आप हील्स पहन सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट साड़ी

अगर आप भी सिंपल और अट्रैक्टिव लुक पाना चाहती हैं, तो आपको फ्लोरल प्रिंट साड़ी वियर कर सकती हैं। इन दिनों यह साड़ी काफी ट्रेंड में हैं और इसमें आपका लुक बेहद प्यारा लगेगा। आप इस तरह की फ्लोरल प्रिंट साड़ी का चुनाव फैमिली फंक्शन में स्टाइल करने के लिए कर सकती हैं। इस साड़ी में स्टाइलिश लुक पाने के लिए गोल्ड प्लेटेड ज्वेलरी के साथ झुमके स्टाइल कर सकती हैं।

संक्षिप्त

भारत में बनते हैं एप्पल के 20 प्रतिशत आईफोन

एप्पल अपने सभी 20 फीसदी आईफोन को भारत में असेंबल करता है। पांच में से एक आईफोन भारत में बनता है। बीते वर्ष की तुलना में ये उत्पादन में लगभग 60 फीसदी की बढ़ोतरी है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट की मानें तो चीन से दूर ये कदम निरंतर विविधीकरण का संकेत है। वहीं वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान क्यूपर्टिनो, कैलिफोर्निया स्थित कंपनी द्वारा भारत में 22 बिलियन डॉलर की कीमत के आईफोन बनाए गए है। यह अनुमानित फैक्ट्री गेट मूल्य है न कि अंकित खुदरा मूल्य। कोरोनावायरस के कारण हुए लॉकडाउन के कारण उत्पादन प्रभावित होने के बाद से एप्पल चीन में उत्पादन से दूर रहने की कोशिश कर रहा है। भारत में, अधिकांश आईफोन फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप के कारखाने में इकट्ठे होते हैं, जबकि टाटा समूह की इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण शाखा, जिसने विस्ट्रॉन कॉर्प को खरीदा है और पेगाट्रॉन कॉर्प के संचालन को नियंत्रित करती है, भी एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है।

भारत का आईफोन निर्यात

रिपोर्ट के अनुसार, कुल भारतीय उत्पादन में से, एप्पल ने 2024–25 में ध्1.5 लाख करोड़ (+17.4 बिलियन) मूल्य के एप्पल आईफोन का निर्यात किया। फरवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ष्पारस्परिकष् टैरिफ की घोषणा के बाद विशेष रूप से अमेरिका को होने वाले शिपमेंट में तेजी आई। हालाँकि, प्रशासन ने पिछले शुक्रवार को स्मार्टफोन और कंप्यूटर सहित इलेक्ट्रॉनिक सामानों को पारस्परिक टैरिफ से छूट दे दी।

भारत में एप्पल

हालाँकि, अब एप्पल भारत में ही अपने संपूर्ण आईफोन रेंज का निर्माण करता है, जिसमें अधिक महंगे टाइटेनियम प्रो मॉडल भी शामिल हैं, तथा इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देश को विनिर्माण केन्द्र बनाने की महत्वाकांक्षा से जुड़ी राज्य सब्सिडी से भी मदद मिलती है। भारत में इसकी बाजार हिस्सेदारी लगभग 8: है, जहां इसकी बिक्री का बड़ा हिस्सा आईफोन से आता है, जो वित्त वर्ष 2024 में लगभग 8 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा।

दिल्ली समेत इन शहरों में सोने की कीमत जानें, 97 हजार से अधिक हुई कीमत

भारत में लोग सोना सबसे अधिक खरीदते है। सोना खरीदना भारत में सबसे भरोसेमंद इंवेस्टमेंट मानी जाती है। चीन के बाद भारत दूसरा सोने का बड़ा उपभोक्ता है। देश की सोने की अधिकांश मांग आयात से पूरी होती है, तथा शेष मांग पुनर्नवीनीकृत घरेलू स्रोतों से पूरी होती है। भारत में सोने की कीमतें वैश्विक और स्थानीय कारकों के संयोजन से प्रभावित होती हैं। जबकि अंतर्राष्ट्रीय दरें – जो अमेरिकी डॉलर में निर्धारित होती हैं – महत्वपूर्ण प्रभाव डालती हैं, घरेलू कीमतें भी आयात शुल्क, स्थानीय करों और रुपये में उतार–चढ़ाव से प्रभावित होती हैं। यद्यपि सोने को आमतौर पर मुद्रास्फीति के विरुद्ध बचाव के रूप में देखा जाता है, लेकिन इसकी कीमत बांड प्रतिफल में परिवर्तन और अमेरिकी डॉलर की मजबूती से भी प्रभावित होती है।

भारत के 10 प्रमुख शहरों में सोने की नवीनतम दरें इस प्रकार हैं–

दिल्ली में आज सोने का भाव

दिल्ली में मौजूदा सोने का भाव 22 कैरेट सोने के लिए 8,935 रुपये प्रति ग्राम और 24 कैरेट सोने (जिसे आमतौर पर 999 सोना कहा जाता है) के लिए 9,746 रुपये प्रति ग्राम है।

चेन्नई में आज सोने का भाव

चेन्नई में मौजूदा सोने का भाव 22 कैरेट सोने के लिए 8,920 रुपये प्रति ग्राम और 24 कैरेट सोने (जिसे आमतौर पर 999 सोना कहा जाता है) के लिए 9,731 रुपये प्रति ग्राम है।

बेंगलुरु में आज सोने का भाव

बेंगलुरु में मौजूदा सोने का भाव 22 कैरेट सोने के लिए 8,920 रुपये प्रति ग्राम और 24 कैरेट सोने (जिसे आमतौर पर 999 सोना कहा जाता है) के लिए 9,731 रुपये प्रति ग्राम है।

मुंबई में आज सोने का भाव

मुंबई में मौजूदा सोने का भाव 22 कैरेट सोने के लिए 8,920 रुपये प्रति ग्राम और 24 कैरेट सोने (जिसे आमतौर पर 999 सोना कहा जाता है) के लिए 9,731 रुपये प्रति ग्राम है।

पुणे में आज सोने का भाव

पुणे में मौजूदा सोने का भाव 22 कैरेट सोने के लिए 8,920 रुपये प्रति ग्राम और 24 कैरेट सोने (जिसे आमतौर पर 999 सोना कहा जाता है) के लिए 9,731 रुपये प्रति ग्राम है।

कोलकाता में आज सोने का भाव

कोलकाता में वर्तमान सोने का भाव 22 कैरेट सोने के लिए 8,920 रुपये प्रति ग्राम और 24 कैरेट सोने (जिसे आमतौर पर 999 सोना कहा जाता है) के लिए 9,731 रुपये प्रति ग्राम है।

अहमदाबाद में आज सोने का भाव

अहमदाबाद में मौजूदा सोने का भाव 22 कैरेट सोने के लिए 8,925 रुपये प्रति ग्राम और 24 कैरेट सोने (जिसे आमतौर पर 999 सोना कहा जाता है) के लिए 9,736 रुपये प्रति ग्राम है।

हैदराबाद में आज सोने का भाव

हैदराबाद में मौजूदा सोने का भाव 22 कैरेट सोने के लिए 8,920 रुपये प्रति ग्राम और 24 कैरेट सोने (जिसे आमतौर पर 999 सोना कहा जाता है) के लिए 9,731 रुपये प्रति ग्राम है।

इंदौर में आज सोने का भाव

इंदौर में मौजूदा सोने का भाव 22 कैरेट सोने के लिए 8,925 रुपये प्रति ग्राम और 24 कैरेट सोने (जिसे आमतौर पर 999 सोना कहा जाता है) के लिए 9,736 रुपये प्रति ग्राम है।

लखनऊ में आज सोने का भाव

लखनऊ में मौजूदा सोने का भाव 22 कैरेट सोने के लिए 8,935 रुपये प्रति ग्राम और 24 कैरेट सोने (जिसे आमतौर पर 999 सोना कहा जाता है) के लिए 9,746 रुपये प्रति ग्राम है।

आईपीएल में लौटा सुपर ओवर का रोमांच, दिल्ली कैपिटल्स ने सबको पछाड़ कर बनाया ये महा रिकॉर्ड

दिल्ली का अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया ये मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुआ था। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने सुपर ओवर के जरिए जीत हासिल की है। इस मैच में जीतने के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने एक और महारिकॉर्ड अपने नाम किया है, जो कि सुपर ओवर से संबंधित है।

इंडियन प्रीमियर लीग के फैंस को जिस पल का इंतजार सालों से था, वो समय आखिरकार बुधवार को आया। कुल 1453 दिन और 293 मैचों के बेहद लंबे इंतजार के बाद आईपीएल में वो देखने को मिला जिसे देखकर फैंस अपने दातों तले उंगलियां दबा लेते है। आईपीएल में बुधवार 16 अप्रैल को सुपर ओवर का रोमांच लौटा है। दिल्ली का अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया ये मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुआ था। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने सुपर ओवर के जरिए जीत हासिल की है। इस मैच में जीतने के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने एक और महारिकॉर्ड अपने नाम किया है, जो कि सुपर ओवर से संबंधित है। बता दें कि दिल्ली अब तक कुल पांच बार सुपर ओवर खेल चुकी है और ये सुपर ओवर में उसकी चौथी जीत है। आईपीएल में अबतक हुए सुपर ओवर में ये अबतक की सबसे अधिक जीत हासिल करने वाली टीम बन गई है। वहीं पंजाब किंग्स सुपर ओवर की बदौलत तीन मुकाबले जीत चुकी है। बता दें कि आईपीएल में इस बार कुल 1453 दिनों के लंबे इंतजार के बाद और 293 मैचों के बाद दर्शकों को सुपर ओवर का रोमांच देखने को मिला है। दिल्ली की इस जीत के बाद प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब मिचेल स्टार्क को मिला। इस मैच में दबाव के बीच भी स्टार्क ने शानदार

गेंजबाजी की थी, जिसकी बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने होम ग्राउंड में राजस्थान रॉयल्स को हराया। स्टार्क (4 ओवर में 1/36) ने अंतिम ओवर में नौ रन बचाए। उनके कारण ही मैच सुपर ओवर में पहुंचा, जबकि अंतिम ओवर में मैच पूरी तरह से राजस्थान रॉयल्स के पलड़े में था। सुपर ओवर में स्टार्क ने शानदार गेंदबाजी दिखाई। उन्होंने सुपर ओवर में सिर्फ दो चौके दिए और दो बेहतरीन रनआउट भी किए। राजस्थान सुपर ओवर में सिर्फ 11 रन बना सकी और दो ओवर भी गिरे, जिसके बाद टीम को ऑलाउट घोषित किया गया था। इसके बाद दिल्ली के लिए सुपर ओवर खेलते हुए केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स ने क्रमशरू एक चौका और एक छक्का लगाया। इस मैच में दिल्ली को घरेलू मैदान पर जीत मिली है।

आईपीएल में चार टीमें जल्दी बाहर होने की कगार पर

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के इस सीजन में चरम पर पहुंचने लगा है। दिल्ली कैपिटल्स के अलावा सभी टीमें छह या इससे अधिक मैच खेल चुकी है। इसके साथ ही प्लेऑफ की दौड़ तेज हो गई है। आईपीएल में पांच टीमें है जो बराबरी पर बनी हुई है। इसमें गुजरात टाइटन्स, दिल्ली कैपिटल्स, रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर, पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स शामिल है। सभी टीमों के आठ अंक है। अभी कुल चार टीमें शीर्ष स्थान पर बनी हुई है।

मुंबई इंडियंस, चेन्नई, राजस्थान और हैदराबाद के लिए परेशानी

मुंबई इंडियंस, राजस्थान रॉयल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स चारों टीमों के पास चार अंक है। इन टीमों की स्थिति काफी नाजुक बनी हुई है। मुंबई और चेन्नई जो आईपीएल इतिहास की सबसे सफल टीमें हैं इस बार टॉप फोर की जगह प्लेऑफ में जगह बनाने को भी तरह रही है। जीत के लिए दोनों टीमें काफी मजबूर दिखाई दे रही है। आईपीएल 2025 में प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए दोनों ही टीमों को अच्छा भाग्य और शानदार खेल की जरुरत है। आईपीएल 2025 के इस सीजन में कुल 74 मैच होने है। प्लेऑफ में स्थान बनाने के लिए टीमों को जीतना बेहद जरुरी है क्योंकि एक हार और जीत सिर्फ टीम की ही नहीं बल्कि दूसरी टीम की किस्मत भी बदल सकती है। जिसके पीछे नेट रन रेट भी कारण बना है। प्लेऑफ की जंग ऐसे भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अंतिम चार टीमों के अंक बराबर बने हुए है। हर टीम को लीग फेज में 14 मैच खेलने है। पॉइंट्स टेबल पर शीर्ष चार टीमों को प्लेऑफ में जगह मिलेगी। इस बार आईपीएल 2025 का फाइनल मुकाबला 25 मई को खेला जाना है। हर मैच के साथ पॉइंट्स टेबल में भी उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। इन बदलाव के कारण प्लेऑफ की जंग काफी रोमांचक हो गई है।

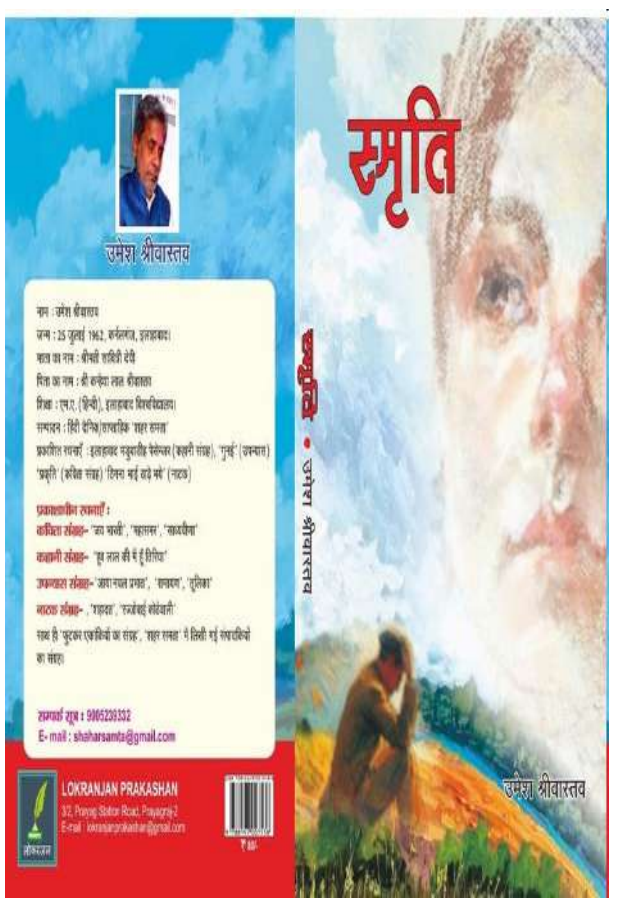

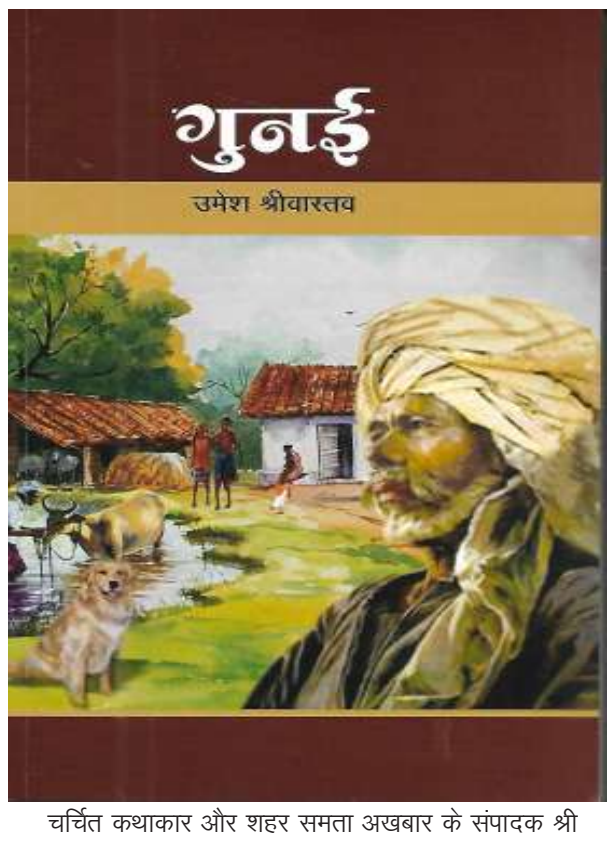

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

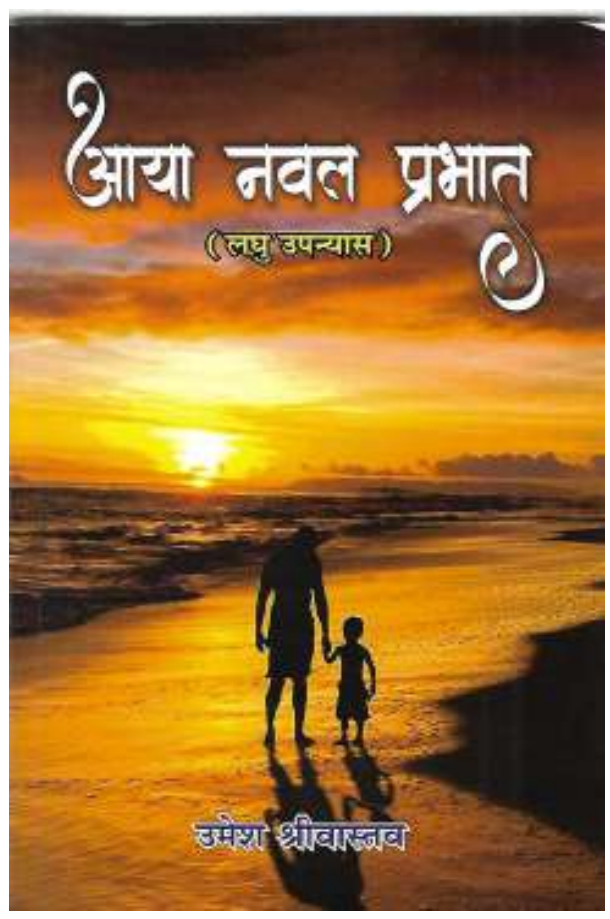

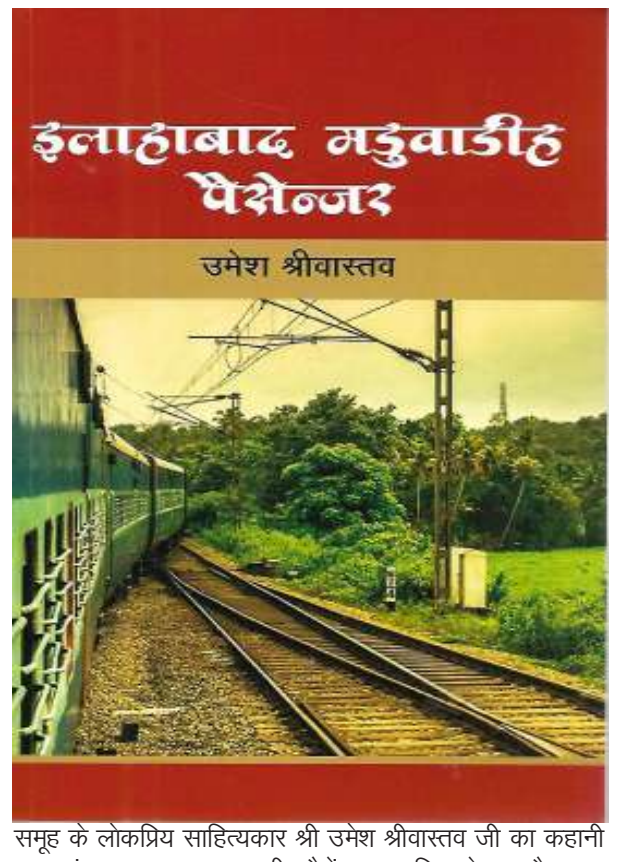

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

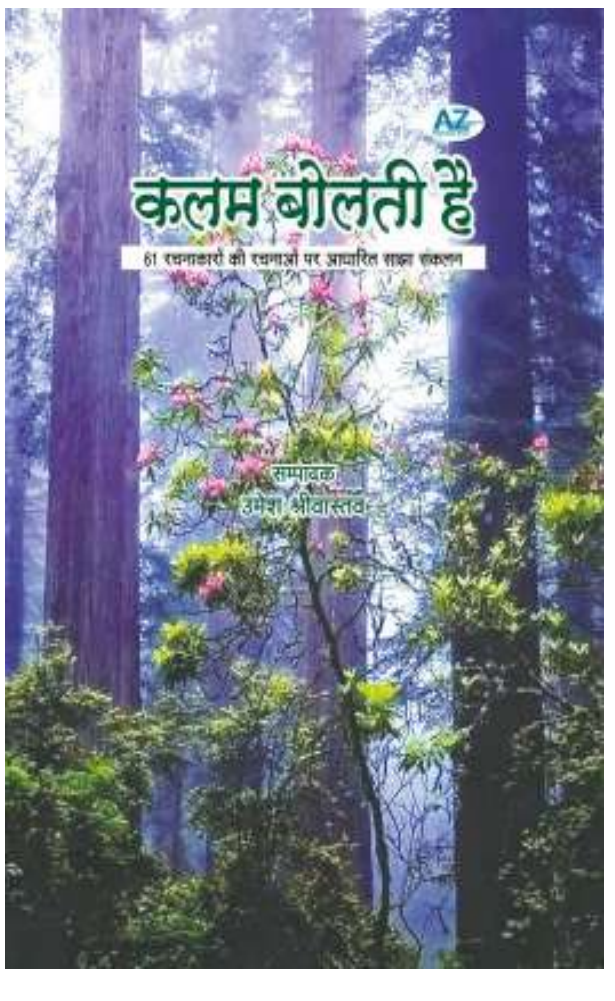

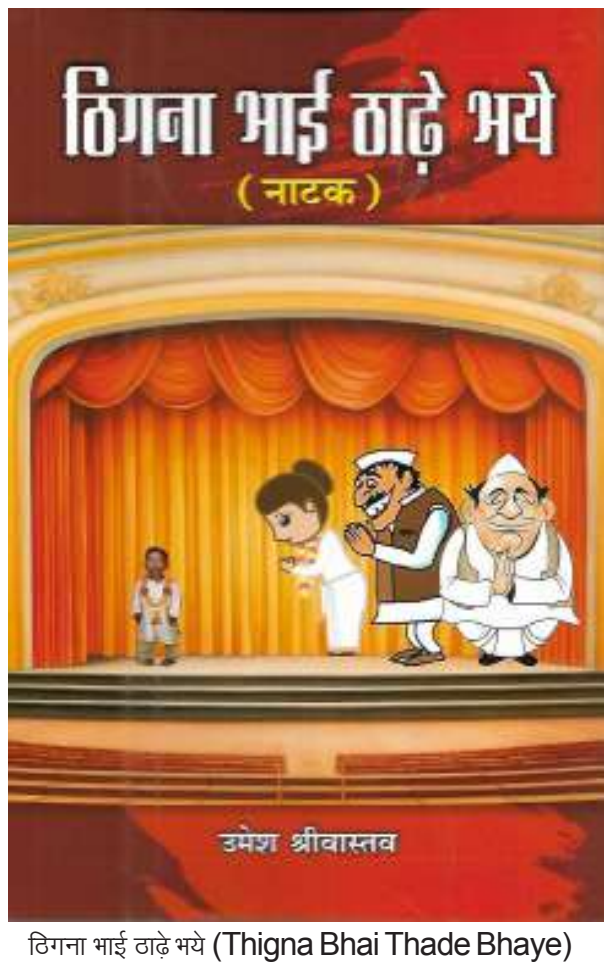

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

पाकिस्तान के आर्मी चीफ की नफरती जुबान, दोहराई टू नेशन थ्योरी, कहा- हम हर मायने में हिंदुओं से अलग

पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने एक संबोधन में दो–राष्ट्र सिद्धांत का बचाव करते हुए कहा कि भारत और पाकिस्तान दो अलग–अलग राष्ट्र हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी संस्कृति, महत्वाकांक्षा, विचारधारा और कई अन्य पहलुओं में शहिंदुओंश से अलग हैं। उन्होंने कश्मीर को इस्लामाबाद की गले की नस भी बताया और इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान इसे नहीं भूलेगा। इस्लामाबाद में ओवरसीज पाकिस्तानियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुनीर ने कहा पाकिस्तान का निर्माण मुसलमानों को हिंदुओं से अलग करने के लिए किया गया था, क्योंकि वे हर पहलू – परंपराओं, विचारों और महत्वाकांक्षाओं में भिन्न हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से आग्रह करते हुए कहा अपने बच्चों को यह सिखाएं ताकि वे पाकिस्तान का इतिहास न भूलें। हमारे पूर्वजों ने सोचा था कि हम जीवन के हर संभव पहलू में हिंदुओं से अलग हैं। हमारा धर्म अलग है, हमारे रीति–रिवाज अलग हैं...यही द्वि–राष्ट्र सिद्धांत की नींव थी। हम दो राष्ट्र हैं। पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत और पाकिस्तान की संस्कृतियां अलग–अलग हैं। उन्होंने कहा कि हमारे धर्म अलग–अलग हैं, हमारे रीति–रिवाज अलग–अलग हैं, हमारी परंपराएं अलग–अलग हैं, हमारे विचार अलग–अलग हैं और हमारी महत्वाकांक्षाएं अलग–अलग हैं; यहीं से दो–राष्ट्र सिद्धांत की नींव रखी गई। हम दो राष्ट्र हैं; हम एक राष्ट्र नहीं हैं। पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने अपने संबोधन में भारतीय सेना का भी जिक्र किया। उन्होंने पाकिस्तान की इस आशंका का जवाब दिया कि इस्लामाबाद को आतंकवादी गतिविधियों के कारण निवेश नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि 1.3 मिलियन की मजबूत भारतीय सेना, अपने सभी साधनों के साथ, अगर वे हमें डरा नहीं सकते, तो क्या आपको लगता है कि ये आतंकवादी पाकिस्तान के सशस्त्र बलों को दबा सकते हैं? इस्लामाबाद में पहले ओवरसीज पाकिस्तानियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ष्यहां तक घ्कि आतंकवादियों की 10 पीढ़ियां भी बलूचिस्तान या पाकिस्तान को नुकसान नहीं पहुंचा सकतीं।ष सम्मेलन में विदेश में रहने वाले पाकिस्तानी भी शामिल हुए थे।

संक्षिप्त

उत्तर कोरिया ने अमेरिका की ओर से बमवर्षक विमान उड़ाए जाने पर दी जवाबी कार्रवाई की धमकी

अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास के दौरान अमेरिका की ओर से दक्षिण कोरिया पर लंबी दूरी के बमवर्षक विमान उड़ाए जाने के बाद उत्तर कोरिया ने जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है। दरअसल उत्तर कोरिया का मानना है कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया इस प्रकार का सैन्य अभ्यास उस पर हमले की तैयारी के लिए करते हैं। अमेरिकी और

दक्षिण कोरिया के लड़ाकू विमानों ने मंगलवार को सैन्य अभ्यास किया और इस दौरान अमेरिका ने 'बी–1बी' बमवर्षक विमान उड़ाए थे। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु कार्यक्रम के खिलाफ दोनों देशों की संयुक्त निवारक क्षमता का प्रदर्शन करना था। अमेरिका और दक्षिण कोरिया नियमित रूप से संयुक्त सैन्य अभ्यास करते हैं, जिन्हें वे रक्षात्मक प्रकृति का बताते हैं। लेकिन उत्तर कोरिया इसे आक्रमण के अभ्यास के तौर पर देखता है। उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने सरकारी मीडिया में जारी एक बयान में कहा, '' अमेरिका और दक्षिण कोरिया का हालिया सैन्य कदम हमारे देश की सुरक्षा के लिए खतरा है और यह एक गंभीर उकसावे की कार्रवाई है जो क्षेत्र में सैन्य तनाव को खतरनाक स्तर तक बढ़ाती है।'' बयान में चेतावनी देते हुए कहा गया है कि अमेरिकी कार्रवाई से अमेरिकी सुरक्षा को निश्चित रूप से नुकसान पहुंचेगा। अमेरिका और अन्य पश्चिमी देश मिसाइल और हथियारों के निर्माण संबंधी उत्तर कोरिया के प्रयासों को क्षेत्र के लिए गंभीर खतरे के रूप में देखते हैं वहीं उत्तर कोरिया अपने परमाणु शस्त्रागार को आधुनिक बनाने के लिए हथियार परीक्षण जारी रखे हुए है तथा हथियार और सैनिक प्रदान करके यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की मदद कर रहा है।

म्यांमा ने पारंपरिक नववर्ष के उपलक्ष्य में लगभग 4,900 कैदियों को किया रिहा

म्यांमा की सैन्य सरकार के प्रमुख ने देश के पारंपरिक नववर्ष के अवसर पर लगभग 4,900 कैदियों को रिहा कर दिया है। सरकारी मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि रिहा किए गए लोगों में कितने राजनीतिक बंदी शामिल हैं। ये वे लोग हैं जिन्हें सेना का विरोध करने के कारण जेल में डाला गया था। म्यांमा की सरकारी मीडिया म्यांमा रेडियो एंड टेलीविजन (एमआरटीवी) के अनुसार सत्तारूढ़ सैन्य परिषद के प्रमुख वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने 4,893 कैदियों को माफ कर दिया है। एक अन्य बयान में कहा गया है कि 13 विदेशियों को भी रिहा किया जाएगा और म्यांमा से निर्वासित किया जाएगा। कुछ कैदियों की सजा भी कम कर दी गई है लेकिन हत्या, बलात्कार और गंभीर अपराधों के दोषियों को रियायत नहीं दी गई है।

अमेरिका ने ईरान से कच्चा तेल खरीदने पर चीन की रिफाइनरी पर लगाया प्रतिबंध

अमेरिका ने ईरान से एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य का तेल खरीदने पर चीन की एक रिफाइनरी पर प्रतिबंध लगाया है। अमेरिका के वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस धन से ईरान की सरकार को और ईरान समर्थित आतंकवादी समूहों को आर्थिक मदद मिलती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के अनुसार जिस रिफाइनरी पर प्रतिबंध लगाया गया है उसे ईरान से कच्चे तेल की दर्जनों खेप प्राप्त हुईं, जिनकी कीमत एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार कुछ खेप ईरान के अर्द्धसैनिक बल 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' से जुड़ी एक कंपनी से थी। प्रतिबंध की इस सूची में कई कंपनी और पोतों के नाम शामिल हैं। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट की ओर से जारी एक बयान में कहा गया,'' कोई भी रिफाइनरी, कंपनी या दलाल जो भी ईरान से तेल की खरीद करता है या उसके व्यापार में मदद करता है वह खुद को गंभीर खतरे में डाल रहा है।'' उन्होंने कहा,'' अमेरिका ईरान की तेल आपूर्ति श्रृंखला को मदद देने वाले सभी तत्वों को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है।'' ईरान पर यमन के हूती विद्रोहियों, लेबनान के हिज़बुल्ला और गाजा के हमास जैसे चरमपंथी संगठनों को समर्थन देने का आरोप है।

कांगो में नाव में आग लगने से कम से कम 50 लोगों की मौत : स्थानीय अधिकारी

उत्तर–पश्चिमी कांगो में आग लगने के बाद एक नाव पलट गई, जिससे कम से कम 50 लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग लापता हो गए। एक स्थानीय अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि कांगों नदी में मंगलवार देर रात को यह घटना हुई थी, जिसमें कई लोग बुरी तरह झुलस गए हैं और कई व्यक्तियों को बचा लिया गया है। रेड क्रॉस और प्रांतीय अधिकारियों की सहायता से बचाव दल बुधवार को भी लापता लोगों की तलाश कर रहा है। संबंधित अधिकारी कोम्पीटेंट लोयोको ने समाचार एजेंसी 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि मोटर चालित लकड़ी की नाव में लगभग 400 यात्री सवार थे, लेकिन मबंडाका शहर के पास इसमें आग लग गई। उन्होंने बताया कि 'एचबी कोंगोलो' नामक नाव मतानकुमु बंदरगाह से बोलोम्बा क्षेत्र के लिए रवाना हुई थी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

आप नंबर गेम खेलना जारी रखो, हम इस पर कोई ध्यान नहीं देंगे

ट्रंप के 125% टैरिफ पर आया चीन का रिएक्शन

अमेरिका और चीन के बीच चल रहे व्यापार युद्ध के बीच, बीजिंग ने संकेत दिया है कि वह आगे इसमें शामिल नहीं होगा, उसने कहा कि अगर अमेरिका टैरिफ बढ़ाना जारी रखता है, तो वह इस पर कोई ध्यान नहीं देगा। चीन ने चेतावनी दी है कि वह आगे अमेरिका द्वारा टैरिफ बढ़ाने को नजरअंदाज करेगा। चीन ने कहा अगर अमेरिका श्टैरिफ नंबर गेमश खेलना जारी रखता है, तो वह इस पर कोई ध्यान नहीं देगा। व्हाइट हाउस ने चीन की जवाबी कार्रवाई का हवाला देते हुए चीनी वस्तुओं पर 245: तक टैरिफ लगाने की घोषणा की। चीन ने अमेरिका से आयात पर अपने अतिरिक्त शुल्क को बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया था। ट्रंप प्रशासन के चीनी निर्यात पर लगाए गए 145 प्रतिशत शुल्क के जवाब में उसने यह कदम उठाया था। अमेरिका की शुल्क बढ़ोतरी के खिलाफ चीन ने विश्व व्यापार संगठन में मामला भी दायर किया है। तथ्य पत्र में चीन पर अमेरिका को गैलियम, जर्मेनियम, एन्टिमनी तथा अन्य प्रमुख उच्च प्रौद्योगिकी सामग्रियों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने का आरोप लगाया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने कहा है कि चीन को अपनी जवाबी कार्रवाई के कारण अब अमेरिका में आयात पर 245 प्रतिशत तक शुल्क का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ' पर मंगलवार को अलग से दी जानकारी में कहा कि चीन ने बड़े बोइंग सौदे के तहत विमानों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। ये उन खबरों की पुष्टि करता है जिसमें दावा किया गया था कि चीन ने अपनी विमान कंपनियों से अमेरिकी विमान विनिर्माता कंपनी बोइंग से विमानों की आपूर्ति न लेने का कहा है। ट्रंप ने इस खबर की जानकारी देते हुए चीन जैसे अपने विरोधियों के साथ व्यापार युद्ध में अमेरिका और उसके किसानों की रक्षा करने का संकल्प लिया। चीन ने ली चेंगगांग को वाणिज्य मंत्रालय में अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रतिनिधि नियुक्त किया। चेंगगांग के पास अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं को संभालने का दशकों का अनुभव है और वे विश्व व्यापार संगठन में चीन के राजदूत भी रह चुके हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के उस बयान के बाद यह कदम उठाया गया जिसमें उन्होंने कहा था कि शुल्क गतिरोध को समाप्त करने के लिए समझौता करने की जिम्मेदारी अब चीन पर है।

चीन पर लगा 245: टैरिफ, ट्रंप के ट्रेड वॉर से किसे होगा अधिक नुकसान? फेडरल रिजर्व की आ गई चेतावनी

टैरिफ वॉर को तेज करते हुए अमेरिका ने चीन पर अव 100: टैरिफ और लगा दिया है। इसके साथ ही अमेरिका पहुंचने वाले चीनी सामान पर अव कुल 245: टैरिफ लगेगा। इससे इससे पहले चीन ने अमेरिकी सामान पर 125: टैरिफ लगाया था और डील के वावजूद वोइंग विमानों को लेने से इनकार कर दिया था। इससे खफा होकर अमेरिका ने टैरिफ बढ़ाया है। बढ़े टैरिफ पर चीन ने कहा कि हम अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर से नहीं डरते। इस बीच, चीन ने ली चेंगगांग के रूप में नए अंतरराष्ट्रीय व्यापार

प्रतिनिधि की तैनाती की है। कदम ट्रंप के उस बयान के बाद उठाया गया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि टैरिफ गतिरोध को समाप्त करने के लिए समझौता करने की जिम्मेदारी अब चीन पर है।

टैरिफ से किसे होगा नुकासन

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने चेतावनी दी है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ के कारण अमेरिका की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा और आम लोगों को सामान की कीमतों में उछाल झेलना पड़ेगा। बीबीसी से बात करते हुए पॉवेल ने कहा कि आयात कर (टैरिफ) फेडरल रिजर्व के अनुमान से कहीं ज्यादा हैं, जो अर्थव्यवस्था को और गहरे संकट में धकेल सकते हैं। सर्वे में भी लोग और कारोबारी अर्थव्यवस्था की सेहत को लेकर डरे हुए हैं। ट्रम्प प्रशासन द्वारा महत्वपूर्ण खनिजों के आयात पर जांच की घोषणा से टैरिफ वॉर की चिंताएं फिर से बढ़ गई हैं। ब्रिटेन के FTSE 100 में 0.3%, जर्मनी के DAX में 0.7: और फ्रांस के CAC 40 में 0.5% की गिरावट आई। चीन की पहली तिमाही में 5.4: की आर्थिक वृद्धि के बावजूद, हांगकांग का Hang Seng 1.9% गिरा। शंघाई कंपोजिट 0.3% बढ़ा। जापान का छपाामप 1% और दक्षिण कोरिया का Kospi 1.2% गिरा।

ट्रंप को सबक सिखाने वाला नेता चुनने के लिए कनाडा में वोट?

राष्ट्रवाद की लहर पर सवार लिबरल, कंजर्वेटिव बदलाव लाने की कर रहा अपील

क्षेत्रफल के लिहाज़ से दुनिया के दूसरे सबसे बड़े देश कनाडा जिसकी आबादी क़रीब साढ़े तीन करोड़ है। उसी कनाडा में 28 अप्रैल को चुनाव है। इस चुनाव में लिबरल पार्टी के नेता मार्क कार्नी का मुकाबला कंजर्वेटिव पार्टी के प्रमुख पियरे पोलीवरे से है। कनाडा की संसद यानी हाउस ऑफ़ कॉमन्स में कुल 338 सीटें हैं और एक पार्टी को बहुमत की सरकार बनाने के लिए 170 सीटों की ज़रूरत होती है। कनाडा में आम चुनाव 20 अक्टूबर से पहले नहीं होने वाले थे, लेकिन पीएम कार्नी ने अपनी लोकप्रियता कहा जा रहा है कि कार्नी अपनी लोकप्रियता का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद पीएम पद की शपथ ली थी।

ट्रूडो का इस्तीफा कार्नी को कमान

कनाडा में दो पार्टियां मुख्य तौर पर हैं। एक कंजर्वेटिव और दूसरी लिबरल पार्टी है। लिबरल पार्टी से दो चुनाव जीतकर ट्रूडो सत्ता में आए। लेकिन 6 जनवरी का दिन कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो मीडिया के सामने आए और अपने इस्तीफे का ऐलान कर दिया। उनके पिता पियरे ट्रूडो भी कनाडा के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। बाद में मार्क कार्नी को प्रधानमंत्री बनाया गया था।

कनाडा चुनाव के बड़े प्लेयर्स

मार्क कार्नीरू 59 वर्षीय मार्क कार्नी एक बहुत ही सम्मानित अर्थशास्त्री और पूर्व केंद्रीय बैंकर हैं, जिन्हें बैंक ऑफ कनाडा और बैंक ऑफ इंग्लैंड दोनों में उनके नेतृत्व के लिए जाना जाता है। कार्नी का जन्म 16 मार्च, 1965 को कनाडा के उत्तर–पश्चिमी क्षेत्र के फोर्ट स्मिथ के छोटे से शहर में हुआ था और उनका पालन–पोषण एडमॉन्टन, अल्बर्टा में हुआ था। उन्होंने 1988 में हार्वर्ड विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातक की डिग्री हासिल की। घ्छबाद में उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में आगे की पढ़ाई की, जहाँ उन्होंने अर्थशास्त्र में मास्टर और डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त की। कई कनाडाई लोगों की तरह, कार्नी को भी आइस हॉकी का शौक था और उन्होंने अपने कॉलेज के दिनों में हार्वर्ड की टीम के लिए बैकअप गोलकीपर के रूप में भी काम किया। कार्नी ने 2008 से 2013 तक बैंक ऑफ कनाडा के गवर्नर के रूप में कार्य किया, जहाँ उन्होंने वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान देश को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उस अवधि के दौरान उनके नेतृत्व ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई।

पियरे पोलीव्रे (कंज़र्वेटिव पार्टी): हाई टैक्स रेट, मुद्रास्फीति और उदारवादी अभिजात्यवाद के खिलाफ़ आवाज़ उठाने वाले के रूप में पियरे ने अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कर को समाप्त करनेष (कार्बन कर का संदर्भ देते हुए), आवास संकट को ठीक करने और सरकारी अपव्यय को कम करने का वादा किया है। पोलीव्रे का मुख्य लक्ष्य लगभग एक दशक तक विपक्ष में रहने के बाद आखिरकार कंज़र्वेटिवों को सत्ता में वापस लाना है।

जगमीत सिंह : जगमीत सिंह का जन्म 2 जनवरी, 1979 को स्कारबोरो, ओंटारियो में हुआ था। कनाडा की वामपंथी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के नेता हैं और एक प्रमुख कनाडाई संघीय राजनीतिक दल का नेतृत्व करने वाले अल्पसंख्यक वर्ग के पहले व्यक्ति हैं। उनके माता–पिता बेहतर अवसरों की तलाश में पंजाब, भारत से कनाडा आ गए। राजनीति में प्रवेश करने से पहले, उन्होंने ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र में एक वकील के रूप में काम किया। सिंह ने 2011 में ओंटारियो के लिए प्रांतीय संसद (एमपीपी) के सदस्य के रूप में सार्वजनिक कार्यालय में प्रवेश किया, 2017 तक सेवा की और ओंटारियो की विधायिका में पगड़ी पहनने वाले पहले सिख बन गए। अक्टूबर 2017 में एनडीपी के नेता बनकर राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि हासिल की।

तमाम सर्वेक्षण क्या कहते हैं?

डेलीमेल डॉट कॉम/जे.एल. पार्टनर्स द्वारा किए गए एक नए सर्वेक्षण के अनुसार, 28 अप्रैल के चुनाव के लिए लिबरल नेता मार्क कार्नी को कंजर्वेटिव नेता पियरे पोलिएवरे पर मामूली दो अंकों की बढ़त हासिल है। रिपोर्ट के अनुसार, कार्नी को 39: वोट मिले, जबकि पोलिएवरे को 37: वोट मिले। डेली मेल के अनुसार, शेष वोट, लगभग 22:, चार अन्य पार्टियों के बीच विभाजित हो गए। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, यह सर्वेक्षण 9 अप्रैल से 11 अप्रैल के बीच आयोजित किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, 1,000 से अधिक कनाडाई लोगों से राय ली गई।

कनाडा चुनाव का ट्रम्प फैक्टर

मार्क कार्नी और पियरे पोलीवरे दोनों के निशाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ही हैं। अमेरिका से चल रहे टैरिफ वॉर के बीच कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोलीवरे ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कनाडा की संप्रभुता का सम्मना करना चाहिए। मार्क कार्नी ने तो यहां तक कहा कि वो ट्रंप से प्रभावी तरीके से निपटेने और कनाडा की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जनता का समर्थन चाहते हैं।

कनाडा चुनाव से जुड़ी खास बातें

सॉवरेन– गवर्नर–जनरल द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया जो आधिकारिक तौर पर कनाडा की रानी का प्रतिनिधित्व करती है।

उच्च सदन (सीनेट)– सदस्यों की नियुक्ति प्रधानमंत्री की सिफारिश के अनुसार गवर्नरदृजनरल द्वारा की जाती है

निचला सदन (हाउस ऑफ कॉमन्स) – नागरिक संघीय आम चुनावों के माध्यम से सदस्यों का चुनाव करते हैं।

सीनेट में 105 और हाउस ऑफ कॉमन्स में 338 सीटें हैं।

सरकार का गठन हाउस ऑफ कॉमन्स के सदस्यों द्वारा किया जाता है जो कनाडा के नागरिकों द्वारा चुने जाते हैं।

कनाडा में चुनाव हर चार साल में एक बार होते हैं, बशर्ते गवर्नरदृजनरल संसद को भंग करने के लिए प्रधानमंत्री की सलाह को स्वीकार कर लेते हैं तो समय से पहले या मध्यवधि चुनाव भी होते हैं।

हूती विद्रोहियों ने सना में संदिग्ध अमेरिकी हवाई हमलों में एक की मौत का दावा किया

यमन में हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों पर बुधवार देर रात से बृहस्पतिवार सुबह तक कई संदिग्ध अमेरिकी हवाई हमले किए गए जिसमें राजधानी सना में कम से कम एक व्यक्ति की मौत होने की खबर है। हवाई हमले देश के कई प्रांतों में रातभर किए गए। हालांकि हूती पक्ष ने इन हमलों से प्रभावित ठिकानों के बारे में सीमित जानकारी दी है। अमेरिका की सेंट्रल कमांड ने भी अब तक लक्षित ठिकानों को लेकर कोई ठोस जानकारी साझा नहीं की है। यह सैन्य अभियान 15 मार्च से जारी है, जिसमें अमेरिका लगातार यमन के भीतर हूतियों के ठिकानों को निशाना बना रहा है। अमेरिकी सेना ये हमले मुख्य रूप से रेड सी में तैनात विमान वाहक पोत यूएसएस हैरी एस. ट्रूमैन और अब अरब सागर में मौजूद यूएसएस कार्ल विन्सन से कर रही है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।